Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 269
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार, 05 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 राज्य के सभी संवर्गों के लिए सेवा प्रवेश...

4 आधारभूत सुविधाओं की कमी से फल-फूल रहे...

7 निषाद और सिमरन ने जीता गोल्ड, वर्ल्ड...

संक्षिप्त न्यूज

'विदेशी दबाव में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई नहीं की', कांग्रेस पर भड़के भाजपा सांसद पात्रा

भुवनेश्वर। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने शनिवार को दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने साल 2008 के मुंबई हमले के बाद विदेशी दबाव में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई नहीं की थी। भुवनेश्वर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि 2014 से पहले भी भारतीय सशस्त्र बल पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने में पूरी तरह से सक्षम थे, लेकिन देश के नेतृत्व में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी थी।

'अमेरिका के दबाव में सोनिया गांधी ने मनमोहन सिंह को कार्रवाई न करने को कहा होगा'

संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि तत्कालीन यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस के दबाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से पाकिस्तान के खिलाफ तुरंत कार्रवाई न करने के लिए कहा होगा, जबकि मुंबई हमले में लगभग 160 लोग मारे गए थे। अपने दावे के समर्थन में, संबित पात्रा ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम के एक हालिया इंटरव्यू का हवाला दिया। उन्होंने इंटरव्यू में चिदंबरम के उस कथन का हवाला दिया, जिसमें चिदंबरम ने कहा कि 'पूरी दुनिया पाकिस्तान के खिलाफ बदले की कार्रवाई को रोकने के लिए नई दिल्ली आई थी।'

'अमेरिका से सलाह के बाद ही होता था कैबिनेट मंत्रियों का चयन'

संबित पात्रा ने कहा कि चिदंबरम के बयान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि वे उस समय देश के गृह मंत्री थे। पात्रा ने कहा कि, '2014 से पहले भी भारतीय सशस्त्र बलों में वीरता थी और वे सक्षम थे, लेकिन देश के नेतृत्व में राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव था। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हालात बदले क्योंकि देश को एक मजबूत सशस्त्र बल और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति मिली।

मोदी बोले- एनडीए ने बिहार की बिगड़ी शिक्षा को संवारा, राजद-कांग्रेस ने किया था बर्बाद

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार की 'बर्बाद' शिक्षा व्यवस्था के लिए कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधा और इसे लोगों के दूसरे राज्यों में पलायन का कारण बताया। राष्ट्रीय राजधानी स्थित विज्ञान भवन में कौशल दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि बिहार में कांग्रेस-राजद शासन के दौरान न तो स्कूल खुले और न ही कोई भर्तियाँ हुईं।

उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को शायद अंदाज़ा नहीं होगा कि ढाई दशक पहले बिहार में शिक्षा व्यवस्था कितनी बदहाल थी। न स्कूल खुले थे, न ही भर्तियाँ हुईं। कौन माता-पिता नहीं चाहेगा कि उसका बच्चा यहाँ पढ़े और आगे बढ़े? लेकिन मजबूरी में लाखों बच्चे बिहार छोड़कर वाराणसी, दिल्ली और मुंबई जाने को मजबूर हुए। यहीं से पलायन की असली शुरुआत हुई।

मोदी ने राज्य में शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा, 'सौभाग्य से बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को सरकार की जिम्मेदारी सौंपी और हम सब इस बात के गवाह हैं कि कैसे एनडीए की

पूरी टीम ने मिलकर बिगड़ी हुई व्यवस्था को पटरी पर लाया।' बिहार में जन नायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय के उद्घाटन सहित 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की युवा-केंद्रित पहलों का शुभारंभ करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मुझे खुशी है कि आज के कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को एक नया कौशल विश्वविद्यालय मिला है। नीतीश कुमार की सरकार ने इस विश्वविद्यालय का नाम भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के नाम पर रखा है।'

प्रधानमंत्री ने राजद-कांग्रेस शासन की तुलना में 10 लाख स्थायी सरकारी नौकरियाँ पैदा करने और शिक्षा बजट बढ़ाने के लिए बिहार सरकार की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'पिछले दो दशकों में, बिहार सरकार ने बिहार में 50 लाख युवाओं को रोज़गार से जोड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में ही बिहार के युवाओं को लगभग 10 लाख स्थायी सरकारी नौकरियाँ दी गई हैं।' उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार बिहार के युवाओं की क्षमता को और निखारने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। राजद-कांग्रेस शासन की तुलना में बिहार का शिक्षा बजट कई गुना बढ़ा दिया गया है। आज बिहार के लगभग हर गाँव में एक स्कूल है। चाहे इंजीनियरिंग कॉलेज हों या मेडिकल कॉलेज, इनकी संख्या भी कई गुना बढ़ गई है।

मोदी ने कहा कि एक समय था जब बिहार में खेलों से जुड़ा अंतरराष्ट्रीय स्तर का बुनियादी ढांचा भी नहीं था। आज बिहार में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन हो रहे हैं। इसके अलावा, पीएम मोदी ने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों के लागू होने के बाद चल रहे 'जीएसटी बचत उत्सव' के बीच युवाओं ने धनतेरस के अवसर पर दोपहिया वाहन खरीदने की भी योजना बनाई है। उन्होंने कहा, 'इस समय देश में 'जीएसटी बचत उत्सव' चल रहा है। किसी ने मुझे बताया कि बिहार के युवा बाइक और स्कूटर पर जीएसटी कम होने से बहुत खुश हैं। युवाओं ने इस धनतेरस पर इन्हें खरीदने की योजना भी बना ली है। मैं बिहार और देश के युवाओं को उनकी ज़रूरत की ज़्यादातर चीज़ों पर जीएसटी कम होने के लिए भी हार्दिक बधाई देता हूँ।

भगदड़ मामले में जांच तेज, पुलिस ने एंबुलेंस चालकों से की पूछताछ; 41 लोगों की हुई थी मौत

करूर। तमिलनाडु के करूर में भगदड़ के मामले में शनिवार को पुलिस ने उस समय वहां ड्यूटी पर तैनात एंबुलेंस चालकों से पूछताछ की। अभिनेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) पार्टी के प्रमुख विजय की रैली में 27 सितंबर को भगदड़ मची थी, जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी और 60 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

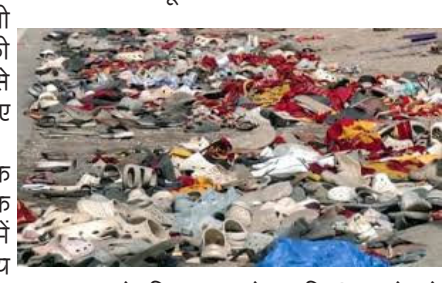

करूर शहर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि करूर के वेलुसम्यपुरम में हुए इस हादसे के समय वहां मौजूद पांच से छह छह चालक जांचकर्ताओं के सामने पेश हुए। अधिकारी ने 'पीटीआई' को बताया कि सरकारी और निजी दोनों तरह की एंबुलेंस के चालकों से पूछताछ की गई, जो करूर और आस-पास के जिलों से थे।

पुलिस ने एंबुलेंस चालकों से ली जानकारी

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने यह जानकारी मांगी कि चालकों को किसने बुलाया था, सरकारी और निजी अस्पताली से कितनी कॉल आईं और कितनी एंबुलेंस सेवा में लगाई गईं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) डेविडसन देवसिरवत्थम ने 28 सितंबर को को पत्रकारों से कहा था कि टीवी की ओर से उपलब्ध कराई गई पांच एंबुलेंस पुलिस निवास के पास खड़ी थीं। उन्होंने बताया, घटना के तुरंत बाद पुलिस ने स्थानीय थाना को माइक्रोफोन के जरिए सूचित किया और अमरावती अस्पताल से करीब दस एंबुलेंस सेवा में लगाई गईं। यह एक खास बिंदु है।

दिवाली से पहले बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए घर पर राशन पहुचाएगी तमिलनाडु सरकार

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने शनिवार को घोषणा कि वह 20 अक्टूबर को होने वाली दिवाली से पहले सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग परिवार कार्डधारकों के घर तक जरूरी वस्तुएं पहुंचाएगी।

मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन द्वारा अगस्त में शुरु की गई थायुमानवर योजना के तहत घर-घर वितरण किया जाएगा। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि वितरण पूरे राज्य में एक साथ किया जाएगा।

विज्ञप्ति के अनुसार 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग परिवारों के राशन कार्डधारकों को मासिक राशन लेने के लिए अपने पड़ोस की उचित दर दुकानों पर जाकर कतारों में इंतजार करने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि दुकानों से वाहन जरूरी वस्तुओं को सीधे लाभार्थियों के घर तक पहुंचाएंगे। साथ ही सटीक और पारदर्शी वितरण के लिए पीडीएस कर्मचारी इलेक्ट्रॉनिक तराजू और ई-पीओएस मशीनों का इस्तेमाल करेंगे। इस पहल से तमिलनाडु भर में कुल 21.7 लाख कार्डधारक लाभान्वित होंगे। उचित दर दुकानों को यह जानकारी अपने सूचना बोर्ड पर लगाने का निर्देश दिया गया है। सरकार ने बुजुर्गों और दिव्यांग जनों से इस योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

जयराम रमेश का दावा: बिहार वोटर लिस्ट में बड़ा फर्जीवाड़ा, भाजपा की बी-टीम बन चुका चुनाव आयोग

नई दिल्ली। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को दावा किया कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद अंतिम मतदाता सूची में अनियमितताएं सामने आई हैं। एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए, रमेश ने आरोप लगाया कि एक ही घर में 247 मतदाता पाए गए और एक ही बूथ पर एक व्यक्ति का नाम तीन बार दिखाई दिया। यह आरोप लगाते हुए कि एसआईआर सत्तारूढ़ सरकार के इशारे पर आयोजित किया गया था, उन्होंने चुनाव आयोग को भाजपा की बी-टीम कहा।

कांग्रेस नेता ने एक एक्स पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि चुनाव आयोग ने भाजपा के इशारे पर पूरे एसआईआर नाटक की योजना बनाई है। यहाँ तक कि अंतिम एसआईआर में चुनाव आयोग द्वारा सुधारों के दावे भी झूठे साबित हो रहे हैं। बिहार के सभी क्षेत्रों से ऐसी

रिपोर्टें आ रही हैं जो इस बात की पुष्टि करती हैं कि पूरी प्रक्रिया का एकमात्र उद्देश्य भाजपा और उसके सहयोगी दलों को राजनीतिक लाभ पहुँचाना है। उन्होंने आगे कहा, 'एसआईआर प्रक्रिया के बाद भी, अंतिम सूची में अनियमितताओं के कई उदाहरण दर्शाते हैं कि चुनाव आयोग को सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेशों की कोई परवाह नहीं है। भाजपा की बी-टीम की तरह काम करते हुए, चुनाव आयोग पूरी तरह से बेशर्मी पर उतर आया है।'

इसके अलावा, जयराम रमेश ने कथित अनियमितताओं पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जवाब माँगा। उन्होंने लिखा, 'क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार बताएँगे कि एक ही घर में 247 मतदाता कैसे पाए गए और एक ही बूथ पर एक ही व्यक्ति का नाम 3-3 बार क्यों दिखाई दिया? अंतिम मतदाता सूची में इतनी बड़ी अनियमितताएँ कैसे सामने आ रही हैं? या वे पहले की तरह चुप्पी साधे रहेंगे?' चूँकि एसआईआर प्रक्रिया से पहले की सूची की तुलना में लगभग 47 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, रमेश ने कहा कि यह संख्या पिछले चुनावों में जीत के अंतर से भी ज़्यादा है।

उन्होंने लिखा कि चिंताजनक पहलू यह है कि कुछ विधानसभा क्षेत्रों में, हटाए गए मतदाताओं के नाम पिछले चुनावों में जीत के अंतर से भी ज़्यादा हैं। हम पहले दिन से ही कहते आ रहे हैं कि भारत का चुनाव आयोग पूरे देश का है और उसे चुनाव आयोग की कठपुतली नहीं बनना चाहिए।

नक्सलियों के लिए अमित शाह का सख्त संदेश: आओ, हथियार डाल दो, आकर्षक नीति तैयार है

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सली आंदोलन पर लगाम लगाने के प्रयासों के तहत सरकार ने एक लाभदायक आत्मसमर्पण नीति तैयार की है। नक्सलियों से बातचीत की माँग पर शाह ने कहा कि इस बारे में बात करने की कोई ज़रूरत नहीं है क्योंकि केंद्र और छत्तीसगढ़ की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बस्तर सहित पूरे नक्सल प्रभावित क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने बस्तर में शांति भंग करने के खिलाफ़ चेतावनी दी और कहा कि राज्य की मशीनरी इसका कड़ा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि इस देश की धरती से नक्सलवाद को अलविदा कहने के लिए 31 मार्च, 2026 की तारीख तय की गई है। शाह ने यहाँ बस्तर दशहरा समारोह में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग (नक्सलियों से) बातचीत की बात करते हैं। मैं एक बार फिर स्पष्ट कर देना चाहता हूँ: हमारी दोनों सरकारें, छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र सरकार,

बस्तर और पूरे नक्सली क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित हैं। इसमें बात करने की क्या बात है? हमने एक बहुत ही आकर्षक आत्मसमर्पण नीति बनाई है। आइए, हथियार डाल दीजिए।

शाह ने साफ तौर पर कहा कि अगर आप हथियार उठाएँगे और बस्तर की शांति भंग करने की कोशिश करेंगे, तो हमारे सशस्त्र बल, सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस जवाब देंगे। 31 मार्च, 2026 इस देश की धरती से नक्सलवाद को अलविदा कहने के लिए तय किया गया है। स्वदेशी अपनाने के आह्वान की वकालत करते हुए, शाह ने कहा, 'अगर 140 करोड़ की आबादी स्वदेशी के संकल्प को अपना ले, तो हमारे भारत को दुनिया की शीर्ष आर्थिक व्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में जीएसटी दरों में कमी करके एक बड़ी राहत प्रदान की है। अगर हम स्वदेशी की संस्कृति को अपनाएँ, तो हमारे देश की अर्थव्यवस्था को बहुत गति मिलेगी।'

शाह ने बस्तर के युवाओं से नक्सल आंदोलन में शामिल न होने की सलाह देते हुए 'हिंसा का रास्ता छोड़ने' की अपील की। यह कहते हुए कि नक्सलवाद से किसी को कोई फायदा नहीं हुआ, शाह ने युवाओं से मुख्यधारा में शामिल होने का आग्रह किया और नक्सल मुक्त होने वाले गाँवों के लिए एक करोड़ रुपये के विकास कार्यों का आश्वासन दिया। शाह ने कहा, 'मैं लोगों से अपील करना चाहता हूँ कि वे गुमराह होकर नक्सलवाद में शामिल होने वाले युवाओं से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने का आग्रह करें। गाँव के नक्सल समस्या से मुक्त होने के बाद, उन्हें विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपये आवंटित किए जाएँगे।'

बिहार में मेडल लाओ नौकरी पाओ: 87 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र

पटना: मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार बिहार के 87 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का चयन पत्र और 812 खिलाड़ियों के बीच करीब 8 करोड़ रुपए की खेल सम्मान राशि का करेंगे वितरण। राज्य खेल अकादमी,राजगीर में एक समारोह में 5 अक्टूबर को होगा यह आयोजन। इस बात की जानकारी देते हुए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि सरकार की मेडल लाओ नौकरी पाओ योजना के अन्तर्गत इस वर्ष राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले 87 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का चयन पत्र दिया जा रहा है। 87 खिलाड़ियों में 39 महिला और 48 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं।

इन खिलाड़ियों को उनकी योग्यता के अनुसार क्लास वन से लेकर विभिन्न श्रेणी में आवश्यकतानुसार विभिन्न विभागों में इनकी नियुक्ति के लिए चयन पत्र दिया जा रहा है। नौकरी के लिए चयनित खिलाड़ियों में पुलिस अवर निरीक्षक के रूप में 4200/- पे ग्रेड में 10 खिलाड़ियों का चयन हुआ है जिसमें 8 महिला खिलाड़ी हैं। बाल कल्याण

पदाधिकारी के 5400/- पे ग्रेड में एक खिलाड़ी का चयन हुआ है, 1900-2000/-पे ग्रेड में निम्नवर्गीय लिपिक में 65 और कार्यालय परिचारी के रूप में 11 खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

आगे श्री शंकरण ने बताया कि इस वर्ष राज्य खेल सम्मान के रूप में 44 खेल विधाओं में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बिहार के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल संघों तथा खेल अधिकारियों सहित कुल 812 लोगों के बीच करीब 8 करोड़ (7,43,00,000/-) रुपये की खेल सम्मान राशि भी इस समारोह में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के हाथों वितरित की जाएगी।खेल सम्मान राशि पाने वाले 813 लोगों में 152 पैरा खिलाड़ी, 631 खिलाड़ी, 24 प्रशिक्षक,5 खेल संघ और एक खेल अधिकारी शामिल हैं। कुल 783 खिलाड़ियों में 297 महिला और 486 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। 2022 से इस वर्ष 2025 तक बिहार के 2085 उत्कृष्ट खिलाड़ियों के बीच बीच करीब 23.5 करोड़ की खेल सम्मान राशि सरकार द्वारा वितरित की जा चुकी है।

दिल्ली सरकार 1,000 इमारतों पर सौर पैनल लगाकर 55 मेगावॉट बिजली का उत्पादन करेगी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने लगभग 1,000 इमारतों पर सौर पैनल स्थापित करने की योजना बनाई है, जिसका उद्देश्य 55 मेगावॉट बिजली का उत्पादन करना है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आने वाले महीनों में सैकड़ों स्कूलों, 40 से अधिक फायर स्टेशनों, दिल्ली जल बोर्ड के 24 कार्यालयों और दिल्ली नगर निगम की 70 से अधिक इमारतों परये सौर पैनललगाए जाएंगे।

अधिकारियों के अनुसार, इस कदम से बिजली बिलों में सालाना 50 करोड़ रुपये से अधिक की बचत होगी और कार्बन उत्सर्जन में 46,000 टन कार्बन डाइऑक्साइड की कमी आएगी।

दिल्ली सरकार ने 500 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाली अपनी इमारतों की छत पर सोलर पैनल लगाना अनिवार्य कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि ऐसी 3,880 चिन्हित सरकारी इमारतों में से 1,200 से अधिक पर पहले ही सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं।

पिछले महीने उत्तर-पश्चिम दिल्ली के रिठाला में एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 1,000 सरकारी इमारतों की छत पर सोलर पैनल लगाकर 55 मेगावॉट बिजली के उत्पादन से जुड़ी परियोजना की शुरुआत की।

रिठाला में 'सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट' में 25 किलोवॉट के सौर संयंत्र का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा, यह काम अगले साल जनवरी तक पूरा हो जाएगा। सरकारी इमारतों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का काम आने वाले दिनों में शुरू हो जाएगा।

जो जांच करते हैं उनकी भी जांच हो...दिल्ली पुलिस कमिश्नर रहे नीरज कुमार पर होगी FIR, SC ने दिया आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त नीरज कुमार और पूर्व सहायक पुलिस आयुक्त विनोद पांडे पर 20 साल से भी ज़्यादा पुराने एक मामले में मामला दर्ज किया गया है, जिसमें दस्तावेज़ों से छेड़छाड़ और आपराधिक धमकी के आरोप शामिल हैं। यह मामला 2001 की एक घटना से जुड़ा है, जब कुमार सीबीआई में संयुक्त निदेशक और पांडे केंद्रीय एजेंसी में निरीक्षक के रूप में कार्यरत थे। यह मामला उन दावों के इर्द-गिर्द घूमता है कि जाँच के दौरान दस्तावेज़ों से छेड़छाड़ की गई थी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट द्वारा 10 सितंबर को दिल्ली पुलिस के पूर्व अधिकारियों के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखने के बाद आया है। सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप आरोपियों द्वारा दायर चार अपीलों को खारिज करने के बाद आया, जिनमें दिल्ली उच्च न्यायालय के 2006 के आदेशों को चुनौती दी गई थी, जिनमें प्राथमिकी दर्ज करने और आपराधिक अवमानना कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय ने इसे

न्याय का उपहास बताया कि गंभीर आरोपों की दो दशकों से भी अधिक समय तक जाँच नहीं हुई। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दिल्ली अपराध शाखा ने नीरज कुमार और पांडे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। इन आरोपों में व्यवसायी विजय कुमार अग्रवाल और उनके सहयोगियों पर की गई सीबीआई जाँच के दौरान कथित तौर पर सबूतों से छेड़छाड़, पद का दुरुपयोग और धमकाने का आरोप शामिल है।

विजय अग्रवाल के एकाउंटेंट शीश राम सैनी का आरोप है कि 1999-2000 में उनके नारायणा कार्यालय पर छापेमारी के दौरान, पांडे और अन्य ने बिना किसी कानूनी दस्तावेज़ के कंपनी के रिकॉर्ड ज़ब्त कर लिए। उनका दावा है कि बाद में अधिकारियों ने ज़ब्ती ज्ञापनों में हेराफेरी की, तारीखें बदल दीं और सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी की, जिससे सैनी को दबाव में आकर फर्जी कागज़ों पर हस्ताक्षर करने पड़े। आईपीसी की धारा 166, 218, 463, 465, 469 और 120बी के तहत आरोप लगाए गए हैं, जिनमें सरकारी पद का दुरुपयोग, रिकॉर्ड में हेराफेरी, जालसाजी और आपराधिक षडयंत्र शामिल हैं।

नौ बच्चों की मौत के बाद मप्र सरकार ने 'कोल्ड्रिफ' सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश सरकार ने छिंदवाड़ा जिले में सात सितंबर से संदिग्ध गुर्दा संक्रमण के कारण नौ बच्चों की मौत के बाद शनिवार को 'कोल्ड्रिफ' सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को 'एक्स' पर कहा, ''छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ सिरप के कारण बच्चों की मौत बेहद दुखद है। इस सिरप की बिक्री पूरे मध्यप्रदेश में प्रतिबंधित कर दी गई है। सिरप को बनाने वाली कंपनी के अन्य उत्पादों पर भी प्रतिबंध लगाया जा रहा है।''

उन्होंने कहा कि यह सिरप कांचीपुरम की एक फैक्टरी में बनाया गया था और घटना के बाद मध्यप्रदेश सरकार ने तमिलनाडु सरकार से जांच कराने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि जांच रिपोर्ट आज सुबह प्राप्त हुई और कड़ी कार्रवाई की गई है तथा बच्चों की दुखद मौतों के बाद स्थानीय स्तर पर कार्रवाई जारी है।

यादव ने कहा कि मामले की जांच के लिए राज्य स्तर पर भी एक टीम गठित की गई है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, सात सितंबर से अब तक संदिग्ध गुर्दा संक्रमण के कारण नौ बच्चों की मौत हो चुकी है। वर्तमान में, छिंदवाड़ा और नागपुर में 13 बच्चों का इलाज किया जा रहा है।

मुंबई के दूसरे हवाई अड्डे का शुभारंभ करेंगे पीएम मोदी, दिसंबर में शुरू होंगी वाणिज्यिक उड़ानें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आठ अक्तूबर को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का शुभारंभ करेंगे। यह हवाई अड्डा 19,647 करोड़ रुपये की लागत से बना है। महाराष्ट्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नए हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ानें दिसंबर में शुरू होंगी। यह हवाई अड्डा मुंबई महानगर क्षेत्र का दूसरा हवाई अड्डा होगा। पहला छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। इस नए हवाई अड्डे को 30 सितंबर को विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उड़ान लाइसेंस मिल गया है।

अदाणी समूह के 74 फीसदी हिस्सेदारी यह परियोजना कई चरमों में विकसित की गई है। इसमें अदाणी समूह की 74 फीसदी हिस्सेदारी है और बाकी 26 फीसदी महाराष्ट्र सरकार की संस्था शहर और औद्योगिक विकास निगम (सीआईडीसीओ) के पास है।

नौ करोड़ यात्रियों को संभालने की क्षमता

यह हवाई अड्डा 1,160 हेक्टेयर में फैला है। पूरी तरह बनने पर इसमें चार टर्मिनल होंगे, जो सालाना नौ करोड़ यात्रियों और 32.5 लाख टन कार्गो को संभाल सकेंगे। यह एशिया के सबसे बड़े हवाई

केंद्रों में से एक होगा। वर्तमान में पहला टर्मिनल पूरा हो चुका है, जिसमें सालाना दो करोड़ यात्री और आठ लाख टन कार्गो की क्षमता है और एक रनवे है।

मुंबई का मौजूदा हवाई अड्डा लगभग साढ़े पांच करोड़ यात्रियों को संभालता है। नए हवाई अड्डे के पूरा होने पर दोनों मिलकर लगभग 15 करोड़ यात्रियों की सेवा देंगे, जो इसे विश्व का बड़ा हवाई केंद्र बनाएगा। पहले चरण में लगभग 19,647 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, जबकि सभी चार टर्मिनल बनने पर कुल लागत लगभग एक लाख करोड़ रुपये होगी।

इन सुविधाओं से जुड़ेगा नया हवाई अड्डा

यह पहला ऐसा हवाई अड्डा होगा जो एक्सप्रेसवे, हाईवे, मेट्रो, उपनगरीय रेल और वाटर टैक्सी से जुड़ा होगा। यह एक हरित (ग्रीन) हवाई अड्डा भी होगा क्योंकि इसमें टिकाऊ विमान ईंधन (सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल) का भंडारण सुविधा मौजूद होगी। यह हवाई अड्डा बहुत ही प्रभावी होगा और इसमें ऑटोमेटेड पैसेंजर पीपल्स मूवर सुविधा भी होगी, जो चारों टर्मिनल को आपस में जोड़ेगी।

इस बीच, केंद्र सरकार ने 19,647 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम बदलने की मंजूरी दे दी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि इस एयरपोर्ट का नाम दिवंगत सामाजिक कार्यकर्ता डीबी पाटिल के नाम पर रखा जाएगा। पाटिल को उनके काम को लेकर व्यापक रूप से सराहा गया था, क्योंकि उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि परियोजना प्रभावितों को उचित मुआवजा मिले। फडणवीस ने कहा कि एयरपोर्ट को आधिकारिक नाम की घोषणा यात्री परिचालन शुरू होने पर की जाएगी। नाम बदलने के फैसले को विधानमंडल के दोनों सदनों ने पहले ही अपनी मंजूरी दे दी थी।

प्रधानमंत्री का क्या रहेगा कार्यक्रम

सीआईडीसीओ के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक विजय सिंघल ने बताया कि महाराष्ट्र का दूसरा हवाई 'अड्डा नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा' का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आठ अक्तूबर को करेंगे। सिंघल ने कहा कि प्रधानमंत्री करीब 2:40 बजे नवी मुंबई हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे और दो घंटे वहां रहेंगे। वह पहले टर्मिनल भवन का दौरा करेंगे। फिर वहां मौजूद लोगों को संबोधित करेंगे।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संगठन (आईएटीए) ने 'एनएमआई' कोड दिया है। एयर इंडिया ग्रुप, इंडिगो और अकासा जैसी घरेलू एयरलाइंस ने अपनी कुछ उड़ानें इस नए हवाई अड्डे पर स्थानांतरित करने की घोषणा कर दी है।

पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल-साबरमती और साबरमती-गुड़गांव के बीच दो (वनवे स्पेशल) ट्रेनें चलाएगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने एवं उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल-साबरमती और साबरमती-गुड़गांव स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर दो वनवे स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09153 मुंबई सेंट्रल-साबरमती सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे) ट्रेन संख्या 09153 मुंबई सेंट्रल-साबरमती सुपरफास्ट स्पेशल मुंबई सेंट्रल से 10:30 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 17:20 बजे साबरमती पहुँचेगी। यह ट्रेन 5 और 6 अक्टूबर, 2025 को चलेगी। यह ट्रेन बोरीवली, वापी, सूरत और वडोदरा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एक्जीक्यूटिव चेयर कार और एसी चेयर कार कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09401 साबरमती-गुड़गांव सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे) ट्रेन संख्या 09401 साबरमती-गुड़गांव सुपरफास्ट स्पेशल साबरमती से 17:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:25 बजे गुड़गांव पहुँचेगी। यह ट्रेन 5 और 6 अक्टूबर, 2025 को चलेगी।

यह ट्रेन महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़ जं., अजमेर, जयपुर, अलवर और रेवाड़ी स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एक्जीक्यूटिव चेयर कार और एसी चेयर कार कोच होंगे। ट्रेन संख्या की 09153 एवं 09401 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पालघर में 6.18 लाख रुपये के मादक पदार्थ बरामद, पांच गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में 6.18 लाख रुपये मूल्य का एलएसडी और गांजा जब्त कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि मीरा भायंदर-वसई विरार (एमबीवीवी) पुलिस ने अपने मादक पदार्थ रोधी अभियान के तहत पिछले सप्ताह यह कार्रवाई की है। सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) मदन बल्लाल ने कहा, "वसई अपराध शाखा ने पालघर जिले में दो बड़े अभियान संचालित किए, जिसमें पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और 6.18 लाख रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किये गये।"

गोपनीय सूचना के आधार पर वसई पश्चिम के पास एक दल ने दो संदिग्धों को रोका और उनके कब्जे से 4.40 लाख रुपये मूल्य का 0.440 मिलीग्राम एलएसडी पेपर (एक कृत्रिम मतिभ्रमकारी दवा) बरामद किया। बल्लाल ने बताया कि आरोपी देव पंकज मोदी (27) और सोहेल यूसुफ सैयद (28) के खिलाफ स्वापक औषधि तथा मनःप्रभावी पदार्थ

(एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने 25 सितंबर को एक अन्य अभियान में वसई तालुका के कामन गांव में एक परिसर पर छापा मारा और एक पुरुष तथा दो महिलाओं को 8.111 किलोग्राम गांजा के साथ पकड़ा। गांजे का अनुमानित मूल्य 1.78 लाख रुपये बताया गया है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुनील सुभाष पवार (38), उसकी पत्नी आशा (35) और प्रियंका संतोष कंसारे (26) के रूप में हुई है और उन पर नाईगांव पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

राज्य रोजगार मेले में नवी मुंबई नगर निगम द्वारा 6 उम्मीदवारों को अनुकंपा नियुक्ति

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुख्यमंत्री की संकल्पना के 150 दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत जनोन्मुखी प्रशासन के साथ-साथ त्वरित निर्णय प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसमें राज्य में अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया में तेज़ी लाने पर ज़ोर दिया गया और सरकार द्वारा इस संबंध में प्रक्रिया को निर्धारित समय-सीमा में तीव्र गति से पूरा करने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके माध्यम से उन परिवारों की भावनाओं और आवश्यकताओं पर अत्यंत सहानुभूतिपूर्वक विचार किया गया।

नवी मुंबई नगर निगम ने इससे पहले नगर आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में 100 दिवसीय कार्ययोजना पहल में अच्छा प्रदर्शन किया था और राज्य के नगर निगमों में तीसरा स्थान प्राप्त किया था। इसी तर्ज़ पर, 150 दिवसीय कार्यक्रम में भी अधिक सक्रियता और उचित कार्यप्रणाली पर ज़ोर दिया जा रहा है।

तदनुसार, 150 दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत अनुकंपा नियुक्ति में, नवी मुंबई मनपा ने अत्यंत संवेदनशीलता बरतते हुए 6 कर्मचारियों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए हैं। अनुकंपा और लिपिक भर्ती नियुक्ति आदेश आज मुंबई में आयोजित राज्य स्तरीय रोजगार मेले में मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के तत्वावधान और उपमुख्यमंत्री श्री अजीत पवार की उपस्थिति में प्रतिनिधि रूप से प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर, मनपा प्रशासन विभाग के उपायुक्त श्री किसनराव पलांडे, साथ ही नवी मुंबई मनपा द्वारा अनुकंपा नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले कनिष्ठ अभियंता (विद्युत) शुभम प्रशांत गायकवाड़ और कांस्टेबल पद के लिए नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी, स्मिता चंद्रकांत कांबले, शुभम नीलकंठ तांबे, मनोज रामचंद्र भगत, कविता शिवराम धुमाने और शुभम खांडू उकड़े, कार्यक्रम में उपस्थित थे।

नवी मुंबई मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में अनुकंपा भर्ती पर निरंतर कार्रवाई कर रही है। अतः इस 150 दिवसीय कार्यक्रम में भी, मनपा प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राज्य स्तरीय रोजगार मेला कार्यक्रम में 'समूह-ग' में एक अभ्यर्थी और 'समूह-घ' में 5 अभ्यर्थियों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

मनपा प्रशासन द्वारा अपनाई गई नियमित प्रक्रिया के कारण कई लंबित मामलों का निपटारा हुआ है। इस नियुक्ति प्रक्रिया में न केवल नियमों का पालन किया गया, बल्कि प्रत्येक परिवार की भावनाओं और आवश्यकताओं का भी संवेदनशीलता से ध्यान रखा गया। इससे परिवार में खुशियाँ आई हैं।

उद्धव ठाकरे ने फडणवीस को बताया कमजोर नेता, बोले- भाजपा सरकार भ्रष्टाचार रोकने में रही नाकाम

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में जारी गर्माहट के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र और केंद्र में भाजपा की सरकार को असफल बताया। साथ ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बढ़ते भ्रष्टाचार पर अंकुश में लगाने में असफल बताते हुए कमजोर नेता बताया। पुणे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी को भाजपा से हिंदुत्व की कोई प्रमाण-पत्र लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि भाजपा देश में दीवारें खड़ी कर रही है।

ठाकरे ने कहा कि भारत एक सुंदर देश है, इसकी संस्कृति महान है। लेकिन भाजपा ने माहौल को खराब कर दिया है और देश में फूट डाली है। मैं इस खराब हालत को रोकने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार कश्मीर और मणिपुर के मुद्दों को सही से नहीं संभाल पाई है।

एकनाथ शिंदे को भी लिया आड़ेहाथ

दूसरी ओर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उद्धव ठाकरे ने दशहरे का जिक्र करते हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि शिवसेना का दशहरा रैली शिवाजी पार्क में बिना किसी बंद दरवाजे के हुई, जबकि शिंदे के 'बंद कमरों' में बैठकों की खबरें हैं। उन्होंने कहा कि ठाकरे ने कहा कि शिवसेना के दशहरा रैली की परंपरा 1966 से चली आ रही है और यह उनकी पार्टी की पहचान है। उन्होंने यह भी कहा कि 'ठाकरे ब्रांड' आज नहीं बल्कि कई पीढ़ियों से चल रहा है और इसका जन्म पुणे में हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने शिंदे पर पार्टी तोड़ने का आरोप लगाया।

फडणवीस सरकार पर जमकर साधा निशाना

उद्धव ठाकरे ने फडणवीस सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि भारी बहुमत होने के बावजूद मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई में कमजोर दिख रहे हैं। उन्होंने किसानों की मदद में सरकार की नाकामी पर भी सवाल उठाए और कहा कि अभी तक किसान कर्ज माफी की घोषणा नहीं की गई है, जबकि जब वे मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने यह कदम उठाया था।

साथ ही हिंदुत्व के सवाल पर ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने मुसलमानों को खुश करने के लिए 'सौगात-ए मोदी' अभियान शुरू किया है। उद्धव ठाकरे ने भाजपा से पूछा कि क्या आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सच्चे हिंदुत्ववादी हैं।

रामदास कदम पर तीखा पलटवार

उद्धव ठाकरे ने शिवसेना (यूबीटी) छोड़ चुके रामदास कदम को गद्दार और नमकहराम कहा। कदम ने हाल ही में दावा किया था कि बाल ठाकरे की मौत की घोषणा में जानबूझकर देरी की गई थी। इस पर ठाकरे ने कहा कि मैं गद्दारों और नमकहरामों को जवाब नहीं देना चाहता।'महिलाओं को लेकर उन्होंने कहा कि चुनाव के समय सरकार कुछ महीनों के लिए आर्थिक मदद देती है, लेकिन यह एक तरह का धोखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अपील की कि वे बिहार की तरह महाराष्ट्र की महिलाओं को भी मदद दें।

शिवसेना को मजबूत करने की अपील

इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि शिवसेना को फिर से मजबूत करने के लिए 'शाखाएं' खोलें और बूथ स्तर पर काम करें। उन्होंने दावा किया कि अगर मेहनत की जाए तो पार्टी आने वाले स्थानीय निकाय चुनावों में जीत हासिल कर सकती है। उन्होंने वोट की चोरी रोकने के लिए नकली वोटरों की पहचान करने का आह्वान भी किया।

'गिरफ्तार व्यक्तियों का उपचार और पुनर्वास जरूरी', कोर्ट ने नशे की लत को बताया मानसिक बीमारी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद बेंच ने शराब और नशे की लत को मानसिक बीमारी बताया। समाज की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने कहा कि नशे के कारण गिरफ्तार व्यक्तियों का मानसिक उपचार और पुनर्वास होना चाहिए।

अवैध शराब की आसानी से उपलब्धता पर कोर्ट ने जताई चिंता

हाईकोर्ट ने यह आदेश पिछले हफ्ते सुनवाई के दौरान दिया, जब एक व्यक्ति की जमानत याचिका पर विचार किया जा रहा था। व्यक्ति को अपनी पत्नी के कथित उत्पीड़न और हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस संजय देशमुख की बेंच ने निषेध के बावजूद अवैध शराब और नशील दवाओं की आसानी से उपलब्धता पर चिंता जताई। बेंच ने कहा कि देश की नई युवा पीढ़ी को पड़ोसी देश की ओर से प्रतिबंधित नशीली दवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह हमारे देश के खिलाफ युद्ध का एक हिस्सा है।

अधिकारियों और जिला अदालतों को दिया निर्देश

बेंच ने निर्देश दिया कि संबंधित अधिकारी और जिला अदालतें मानसिक रूप से बीमार आरोपियों के उपचार मानसिक स्वास्थ्य कानून, 2017 के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करें, जब तक वे पूरी तरह ठीक न हो जाएं। कोर्ट ने कहा, अगर जेल पुलिस, जेल अधिकारी और अदालतें इस प्रक्रिया का पालन करेंगी, तो अपराध कम होंगे और समाज को ऐसे लोगों की कानूनी समस्याओं से राहत मिलेगी। इससे सजा के सुधारात्मक सिद्धांत को भी पूरा किया जा सकेगा, जैसे कि अपराध शास्त्र और दंड शास्त्र में बताया गया है।

उपचार और पुनर्वास समाज की सुरक्षा के लिए जरूरी

कोर्ट ने आरोपी प्रमोद धुले की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद यह फैसला दिया। धुले को शराब की लत के कारण सीआरपीएफ से निकाला गया था। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मानसिक रूप से बीमार लोगों को बिना उपचार के जमानत देना सही नहीं होगा, क्योंकि वह फिर से गैरकानूनी काम कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसे लोगों का इलाज और पुनर्वास करना समाज की सुरक्षा के लिए जरूरी है। आरोपी ने बाद में अपनी जमानत याचिका वापस ले ली, जिसके बाद कोर्ट ने नांदेड़ जेल अधिकारियों को आदेश दिया कि उसे जिला अस्पताल में मानसिक जांच और उपचार के लिए ले जाया जाए। अगर वह शराब की लत की वजह से मानसिक रूप से बीमार पाया जाता है, तो उसे पूरी तरह ठीक होने तक पुनर्वास केंद्र में रखा जाए।

रविवार/सोमवार मध्यरात्रि को खरबाओ और जुईचंद्रा के बीच विशेष यातायात और पावर ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल, मुंबई मंडल, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना से संबंधित कार्य के सिलसिले में खरबाओ आरएफओ किलोमीटर 66/25-31 पर ओपन वेब गर्डर लॉन्च करने के लिए विशेष यातायात और पावर ब्लॉक परिचालित करेगा।

यह ब्लॉक खरबाओ और कामन रोड के बीच दिनांक 06.10.2025 (रविवार/सोमवार मध्यरात्रि) को अप और डाउन मेन लाइनों पर 00.00 बजे से 04:00 बजे तक रहेगा।

ब्लॉक के कारण मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों

का रेगुलेशन इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 11049 अहमदाबाद-कोल्हापुर एक्सप्रेस को वसई रोड पर 03.30 बजे से 04.00 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा।

ट्रेन संख्या 22193 दौंड-ग्वालियर सुपरफास्ट एक्सप्रेस को भिवंडी रोड पर सुबह 03.49 बजे से 04.00 बजे तक रेगुलेट किया जाएगा।

ट्रेन संख्या 12297 अहमदाबाद-पुणे दुरंतो एक्सप्रेस 10-15 मिनट देरी से चल सकती है।

ये ब्लॉक बुनियादी ढाँचे के रखरखाव और संरक्षा के लिए आवश्यक हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे इससे होने वाली असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन को सहयोग करें।

मध्य रेल

ई - निविदा सूचना

खुली निविदा सूचना संख्याः सीनियर डीएमएम नागपुर/95245682A दिनांक 30.09.2025. निविदा बंद होने की दिनांकः **21.10.2025** समयः **सुबह 11.30 बजे. फ़ाइल संख्याः 95 24 5682A. निविदा संक्षेप में विवरणः** नारंगी रंग के हुड/कैप के साथ, पेड़ की आंतरिक परत वाली उत्कृष्ट गुणवत्ता वाली शीतकालीन जैकेट। (संलग्न अनुलग्नक "ए" के अनुसार विनिर्देश) **मात्राः** 4440. **इकाईः** नग. वेबसाइट का पता जहां से निविदा की विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर देखा जा सकता है **https://ireps.gov.in**

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक,
मध्य रेल, नागपुर

Akar-32-227

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस बढ़नी के बीच विशेष ट्रेन का संचालन

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
05034	बांद्रा टर्मिनस - बढ़नी (साप्ताहिक विशेष)	11.10.2025 to 29.11.2025	09:30 hrs (शनिवार)	22:15 hrs (अगले दिन)
05033	बढ़नी - बांद्रा टर्मिनस (साप्ताहिक विशेष)	09.10.2025 to 27.11.2025	21:30 hrs (गुरूवार)	06:30 hrs (शनिवार)

हाल्टः दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाह नगर, गोंडा और बलरामपुर स्टेशन।

संरचनाः स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 05034 की बुकिंग 05.10.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

राज्य के सभी संवर्गों के लिए सेवा प्रवेश नियमों में संशोधन किया जाएगा- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की उपस्थिति में अनुकंपा के आधार पर और लिपिक वर्ग में नियुक्ति

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।राज्य सरकार के प्रत्येक संवर्ग में पदों और उनकी जिम्मेदारियों में समय के साथ काफी बदलाव आया है, इसे ध्यान में रखते हुए, राज्य के सभी संवर्ग पदों के लिए सेवा प्रवेश नियमों में संशोधन किया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज घोषणा की कि महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी और वर्ष 2026 में बड़ी संख्या में पदों पर भर्ती की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने आज सरकारी सेवा में नियुक्त सभी उम्मीदवारों से अपना कार्य जनोन्मुखी और पारदर्शी तरीके से करने की अपील भी की।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस राज्य रोजगार मेले के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहाँ यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा अनुकंपा के आधार पर लिपिक वर्ग के 10,309 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री छगन भुजबल, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, जल संसाधन (विदर्भ और तापी और कोंकण बेसिन विकास महाराष्ट्र), आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन, स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे, विपणन, प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल, सूचना प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक मामलों के मंत्री एडवोकेट शामिल हुए। आशीष शेलार, विधायक परिणय फुके, विधायक अबू आज़मी, विधायक मनोज जामसुतकर, राज्य के

मुख्य सचिव राजेश कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव इकबाल सिंह, सामान्य प्रशासन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव वी. राधा, मुख्यमंत्री के सचिव श्रीकर परदेशी, पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, कोंकण संभागीय आयुक्त विजयकुमार सूर्यवंशी, मुंबई उपनगरीय जिला कलेक्टर सौरभ कटियार और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

राज्य सरकार के संस्थागत ढांचे को मजबूत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार को और अधिक कुशल और गतिशील बनाने के लिए, सरकार ने सेवा प्रवेश नियमों में संशोधन, अनुकंपा के आधार पर लंबित मामलों को सुलझाने और महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग के माध्यम से एक पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया को लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया है। आयोग की भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है और विभिन्न राज्यों का अध्ययन करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। अब तक 80 प्रतिशत अनुकंपा नियुक्तियां पूरी हो चुकी हैं। शेष मामलों का जल्द ही निपटारा किया जाएगा। राज्य प्रशासन को संस्थागत रूप से मज़बूत करने के साथ-साथ उसे गतिशील, संवेदनशील और जनोन्मुखी बनाने को प्राथमिकता दी गई है और इसके लिए पहले 100 दिन और फिर 150 दिन का कार्यक्रम बनाया गया। इसके ज़रिए कई सुधार किए गए।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि अतिरिक्त मुख्य सचिव वी. राधा ने सामान्य प्रशासन विभाग का कार्यभार संभालने के बाद बड़े बदलाव शुरू किए।

सेवा प्रवेश नियमों में सुधार और अनुकंपा के सिद्धांत के साथ न्याय

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कई विभागों के सेवा प्रवेश नियम 50 साल पुराने थे। तकनीक में बदलाव के कारण, क्लर्क से लेकर उच्च स्तर तक के पदों की प्रकृति और ज़िम्मेदारियाँ काफ़ी हद तक बदल गई हैं, लेकिन नियम नहीं बदले हैं। रिक्त पदों को भरने के लिए इन सेवा प्रवेश नियमों में बदलाव का प्रयास किया गया। अनुकंपा के आधार पर नियुक्तियाँ बड़े पैमाने पर लंबित थीं, कई पात्र परिवारों, जिनमें सरकारी कर्मचारियों के बच्चे और पत्नियाँ भी शामिल हैं, को नौकरी नहीं मिल पा रही थी। इस संबंध में सभी सरकारी निर्णयों को बदलकर एक सरल और सहज सरकारी निर्णय लिया गया। अनुकंपा के आधार पर नौकरी देना कोई उपकार नहीं, बल्कि सरकार की ज़िम्मेदारी है। हमने इस भावना के साथ काम किया कि अगर कर्मचारियों के घर कोई दुर्घटना होती है, तो उनके परिवारों की देखभाल करना सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि इन बदलावों के कारण आज 80झ अनुकंपा पद भरे जा चुके हैं और शेष 20झपद भी जल्द ही भर दिए जाएँगे।

शहीद उपनिरीक्षक प्रकाश पांडुरंग मोरे की बेटी अनुष्का प्रकाश मोरे की नियुक्ति

शहीद उपनिरीक्षक प्रकाश पांडुरंग मोरे की बेटी अनुष्का प्रकाश मोरे की आज अनुकंपा सूची में नियुक्ति हुई है। यह महत्वपूर्ण है कि हम 26 नवंबर 2008 के कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले में शहीद हुए अधिकारी की बेटी को इतने वर्षों बाद न्याय दिला पाए। चूँकि अनुष्का बी-फार्मा की छात्रा हैं, इसलिए नियमों के कारण उन्हें अनुकंपा के आधार पर 'औषधि निर्माता समूह 'बी' का पद मिलना मुश्किल था, क्योंकि वह पद एमपीएससी के पास था। लेकिन, हमने एमपीएससी से विशेष अनुरोध करके नियमों में छूट प्राप्त की और यह पद प्रदान किया।

भाषा का विकास ही समाज का विकास है - माधुरी यादवकर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

संगोष्ठी की अध्यक्षा माधुरी यादवकर ने ज़ोर देकर कहा कि मराठी भाषा के समग्र विकास के लिए तकनीक का समुचित उपयोग और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। श्रीमती यादवकर ने कहा कि भाषा केवल लिखित या मौखिक नहीं होती, बल्कि यह हमारी शारीरिक भाषा, संस्कृति और जीवनशैली में निहित होती है। अनुवाद का अर्थ केवल शब्दों का रूपांतरण नहीं, बल्कि उस भाषा की मूल भावना को संरक्षित करना है। उन्होंने डिजिटल मीडिया का उपयोग करके नई पीढ़ी को मराठी भाषा में व्यवसाय, रोज़गार और नए अवसर प्रदान करने का आह्वान किया। मराठी भाषा के लिए ऑनलाइन व्यवसाय की अपार संभावनाएँ हैं। कई व्यवसायी आज डिजिटल मराठी माध्यम से करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह सभी के लिए प्रेरणादायक है।

यादवकर ने कहा कि मराठी भाषा विभाग को मराठी भाषा के व्यावसायिक अवसरों की जानकारी लोगों तक पहुँचानी चाहिए और प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता के माध्यम से विशेषज्ञ तैयार करने चाहिए। वास्तविक आवश्यकता इस भाषा को केवल सीखने का माध्यम नहीं, बल्कि आजीविका का साधन बनाने की है। मराठी को ज्ञान की भाषा, अर्थ की भाषा और राजभाषा बनाना हमारा सामूहिक सपना है। उन्होंने यह भी कहा कि तकनीक और समाज के साथ मिलकर यह सपना साकार हो सकता है।

इस संगोष्ठी में, विशेषज्ञों ने मराठी भाषा के संरक्षण के लिए डिजिटल मीडिया पर ज़ोर देने की आवश्यकता जताई। भाषा की गरिमा और विकास के लिए मराठी का ऑनलाइन होना ज़रूरी है। नई पीढ़ी को डिजिटल तकनीक का उपयोग करके पढ़ना चाहिए। मराठी कविता, मराठी शब्दकोश और मराठी साहित्य इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध होने चाहिए। एक विविध मराठी कीबोर्ड बनाने की भी आवश्यकता जताई गई। मराठी लोगों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अधिक मराठी सामग्री के लिए आग्रही होने की आवश्यकता व्यक्त की गई।

अभिजात मराठी भाषा सप्ताह के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में मराठी भाषा विभाग के सहसचिव नामदेव भोसले, विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में मराठी प्रेमी उपस्थित थे।

शास्त्रीय मराठी और ऑनलाइन मराठी के बीच एक सेतु का निर्माण समय की माँग है- मराठी भाषा सचिव डॉ. किरण कुलकर्णी

मराठी में सभी पाठ ऑनलाइन खोज योग्य होने चाहिए;

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मराठी भाषा का भविष्य शास्त्रीय मराठी और ऑनलाइन मराठी दोनों के संगम से आकार लेगा। बदलते समय में, तकनीक को ध्यान में रखते हुए भाषा के अस्तित्व और उसकी सुंदरता को बनाए रखना हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है, मराठी भाषा विभाग की सचिव डॉ. किरण कुलकर्णी ने कहा।

वे अभिजात मराठी भाषा सप्ताह के अवसर पर आयोजित 'ऑनलाइन मराठीः स्थिति और गति' विषयक संगोष्ठी में बोल रहे थे। पी.एल. देशपांडे महाराष्ट्र कला अकादमी, प्रभादेवी में आयोजित इस संगोष्ठी की अध्यक्षता माधुरी यादवकर ने की। मंजूषा वैद्य, प्रसाद शिरगांवकर, श्रीपाद ब्रह्मे, संजय देशपांडे, सुनील खंडबलेख, नीलेश छड़विलकर, चिन्मय गावणकर जैसे विशेषज्ञ विचारकों ने संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त किए।

सचिव डॉ. किरण कुलकर्णी ने कहा कि शास्त्रीय मराठी और आधुनिक ऑनलाइन मराठी के बीच के संबंध को समझना बहुत ज़रूरी है। शास्त्रीय भाषा न केवल प्राचीन है, बल्कि संस्कृति पर उसका प्रभाव आज भी दिखाई देता है। भाषा निरंतर बदलती और गतिशील चीज़ है। मराठी 216 बोलियों का संगम है। इन सभी बोलियों ने मानक मराठी का निर्माण किया है।

डॉ. कुलकर्णी ने भाषा के सांस्कृतिक प्रभाव के बारे में कहा कि भले ही कोई कार्टून भाषाविहीन हो, लेकिन अगर उसकी विषयवस्तु, पहनावा और संस्कृति मराठी से ओतप्रोत है, तो उसे मराठी में कार्टून माना जाता है। यानी भाषा का प्रभाव सिर्फ़ शब्दों तक सीमित नहीं होता, बल्कि दृश्य और अदृश्य दोनों रूपों में महसूस किया जाता है।

अब डिजिटल युग में इस परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए मराठी को ऑनलाइन मज़बूत करना ज़रूरी है। सिर्फ़ वर्तनी सुधारना या अनुवाद ऐप बनाना ही भाषा का विकास नहीं है, बल्कि असली ज़िम्मेदारी भाषा के सार, उसकी सुंदरता और उसकी भावनात्मक शक्ति को ऑनलाइन माध्यम तक पहुँचाना है। पहली बार, इस क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञ मराठी भाषा विभाग के माध्यम से एक साथ आए हैं। डॉ. कुलकर्णी ने बताया कि यह भाषा के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

विकसित भारत के लिए महिलाओं और बच्चों का सर्वांगीण विकास राज्यों के समन्वय से संभव-मंत्री अन्नपूर्णा देवी

आंगनवाड़ी केंद्रों को सुदृढ़ बनाना और कुपोषण उन्मूलन व महिलाओं की सुरक्षा के लिए योजनाएँ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि केंद्र सरकार विकसित भारत की ओर बढ़ते हुए महिलाओं और बच्चों के समग्र विकास के लिए चलाई जा रही योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में सभी राज्यों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगी।

महाराष्ट्र में मिशन वात्सल्य और मिशन शक्ति योजनाओं के क्रियान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए केंद्र सरकार का समन्वय आवश्यक है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने माँग की कि राज्य द्वारा कुपोषण उन्मूलन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या बढ़ाना आवश्यक है।

यह बैठक केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। विभिन्न राज्यों के महिला एवं बाल विकास विभागों के मंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे।

विकसित भारत के लिए महिलाओं और बच्चों के समग्र विकास के साथ-साथ स्पष्ट मानव संसाधन नीति, पर्याप्त बुनियादी ढाँचा, वित्तीय संतुलन, उचित वेतन, विश्वसनीय गैर-सरकारी संगठनों की भागीदारी और योजनाओं के क्रियान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु सब्सिडी पर भी चर्चा हुई। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने राज्य में बाल विवाह, दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी दी और नई शिक्षा नीति, जिसमें 'पढ़ाई भी, पोषण भी' शामिल है, के बारे में भी बताया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री तटकरे ने मांग की कि राज्य कुपोषण उन्मूलन की दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसके लिए शहरी क्षेत्रों में आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्या बढ़ाकर आठ हजार से अधिक करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए बुनियादी प्रशिक्षण और सुविधाओं पर जोर दिया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नारी अदालत जैसी योजनाएँ क्रियान्वित की जा रही हैं। इन्हें और प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए, किराये के अनुबंधों, जिला सुरक्षा प्रकोष्ठों और हेल्पलाइनों के लिए अलग-अलग वाहनों का होना आवश्यक है।

राज्य ने मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना, पिंक ई-रिक्शा और आदिशक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं की उन्नति के लिए ठोस कदम उठाए हैं। बच्चों की सुरक्षा और पुनर्वास के लिए चलाई जा रही मिशन वात्सल्य योजना को और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सकता है यदि जिला सुरक्षा प्रकोष्ठों को वाहन, वेतनमान में एकरूपता, पर्याप्त धनराशि और गैर-सरकारी संगठनों की भागीदारी प्रदान की जाए। राज्य में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए ठोस नीतियाँ और योजनाएँ हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि केंद्र सरकार नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुँचने के लिए पर्याप्त धनराशि और सुविधाएँ प्रदान करती है, तो महाराष्ट्र इन योजनाओं के कार्यान्वयन में देश में एक आदर्श राज्य बन जाएगा।

पूर्वोत्तर अरब सागर में चक्रवात 'शक्ति' का खतरा बढ़ा; मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।पूर्वोत्तर अरब सागर में बने चक्रवात 'शक्ति' की तीव्रता बढ़ती जा रही है और मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि अगले कुछ दिनों में यह एक भीषण चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। इस चक्रवात का संभावित प्रभाव दक्षिणी महाराष्ट्र तट पर पड़ने की आशंका जताई गई है और प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय केंद्र, कोलाबा (मुंबई) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चक्रवात 'शक्ति' पिछले छह घंटों से लगभग आठ किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। 3 अक्टूबर की शाम 5.30 बजे, चक्रवात 22.0 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 66.4 डिग्री पूर्वी देशांतर के पास केंद्रित था।

उस समय यह केंद्र –

द्वारका (गुजरात) से लगभग 280 किमी पश्चिम में,

नलिया से 290 किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में,

कराची (पाकिस्तान) से 330 किमी दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम में और

पोरबंदर से 320 किमी पश्चिम में था।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, यह चक्रवात 4 अक्टूबर की सुबह तक एक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो सकता है। इसके बाद यह पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और 5 अक्टूबर तक मध्य और उत्तर-मध्य अरब सागर तक पहुँच जाएगा।

मछुआरों को समुद्र में जाने से बचने की सलाह दी गई है

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने सभी मछुआरों, मछुआरा सहकारी समितियों और नाव मालिकों को अगले कुछ दिनों तक समुद्र में न जाने की सख्त सलाह जारी की है। समुद्र में तेज़ हवाएँ और ऊँची लहरें उठने की संभावना है।

मत्स्य विभाग ने सभी तटीय ज़िला प्रशासनों को निर्देश दिया है कि वे सभी मछुआरों और तटीय गाँवों के निवासियों को यह सलाह तुरंत प्रसारित करें। समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने और जान-माल की हानि को रोकने के लिए आपदा प्रबंधन प्रणाली को अलर्ट पर रखा गया है।

एक साथ 10,000 पदों पर भर्ती एक ऐतिहासिक निर्णयः उपमुख्यमंत्री अजित पवार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने 10,000 से अधिक उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र जारी होने पर बधाई दी और कहा कि यह दिन महाराष्ट्र के इतिहास में एक ऐतिहासिक दिन बन गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अनुकंपा के आधार पर लंबित लगभग 80 प्रतिशत मामलों का निपटारा कर दिया है और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और गति पर विशेष जोर दिया गया है। सरकार ने तकनीकी और प्रशासनिक बाधाओं को दूर करके कई परिवारों को राहत प्रदान की है।

उपमुख्यमंत्री पवार ने कहा, 'हर फाइल, हर नागरिक और हर फैसले के पीछे एक जीवंत कहानी होती है। इसलिए पारदर्शिता, जिम्मेदारी और निष्ठा ये तीन शब्द हर कर्मचारी के मार्गदर्शक होने चाहिए।' उपमुख्यमंत्री श्री पवार ने नवनियुक्त कर्मचारियों से ई-गवर्नेंस का उपयोग बढ़ाने, जनोन्मुखी प्रशासन चलाने और अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने की अपील

की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के '2047 तक विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लिए उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भी एक विकसित महाराष्ट्र बनाने की अपील की।

इस अवसर पर, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार सहित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रतिनिधि के रूप में 20 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

इस अवसर पर, सामान्य प्रशासन विभाग (सेवाएँ) की अतिरिक्त मुख्य सचिव वी. राधा को भर्ती प्रक्रिया को शीघ्रता से क्रियान्वित करने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य सचिव राजेश कुमार ने की और धन्यवाद ज्ञापन कोंकण संभागीय आयुक्त विजयकुमार सूर्यवंशी ने किया।

लिफ्ट में फंसने से 12 साल बच्चे की मौत, अस्पताल पहुंचने से पहले ही तोड़ा दम

मुंबई।महाराष्ट्र से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, पिंपरी चिंचवड़ के चौविसवाड़ी इलाके में गुरुवार (2 अक्टूबर) की शाम राम स्मृति सोसाइटी में एक 12 साल के बच्चे की लिफ्ट में फंसने से मौत हो गई. यह हादसा उस समय हुआ जब इमारत की पुरानी लिफ्ट तीसरी और चौथी मंजिल के बीच अचानक रुक गई.

जानकारी के मुताबिक, 12 साल का एक लड़का लिफ्ट में सवार होकर ऊपर जा रहा था. यह लिफ्ट पुराने डिज़ाइन की थी, जिसका दरवाजा लोहे की सलाखों से बना था. खेलते-खेलते बच्चे का पैर लिफ्ट के दरवाजे की सलाखों से बाहर निकल गया. इसी दौरान लिफ्ट दो मंजिलों के बीच फंस गई. बच्चे का पैर सलाखों में फंस गया, जिससे वह बाहर निकलने की कोशिश में चिल्लाने लगा. उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े और बच्चे के माता-पिता को बुलाया गया.

लोगों ने बच्चे को निकालने की पूरी कोशिश की, लेकिन लिफ्ट का पुराना ढांचा और सलाखों में फंसा पैर स्थिति को और मुश्किल बना रहा था. समय बीतता जा रहा था, और बच्चे की हालत बिगड़ती जा रही थी. स्थानीय लोगों ने तुरंत पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम के दमकल विभाग को सूचना दी. दमकल कर्मी जल्दी से मौके पर पहुंचे और कटर की मदद से लिफ्ट का दरवाजा काटकर बच्चे को बाहर निकाला.

अस्पताल पहुंचने से पहले ही हुई मौत

बच्चे को तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया।

बॉम्बे हाईकोर्ट की बड़ी कार्रवाई, भ्रष्टाचार के आरोपी दो जजों को किया निलंबित

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम और सिविल जज इरफान शेख को कदाचार और भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते निलंबित कर दिया है। दोनों जजों को बर्खास्त करने का फैसला एक अनुशासन समिति द्वारा की गई जांच के बाद लिया गया।

निकम पर रिश्वत लेने का आरोप है, जबकि शेख पर भ्रष्टाचार और जब्त किए गए मादक पदार्थों का दुरुपयोग करने का आरोप है। इरफान शेख नारकोटिक ड्रग्स और सायकोट्रॉपिक सब्स्टेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई करते थे। शेख के खिलाफ हाईकोर्ट में एक याचिका अभी भी लंबित है।

एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने सतारा जिले के सत्र न्यायाधीश निकम के

खिलाफ रिश्वत मांगने का मामला दर्ज किया था। आरोप है कि उन्होंने धोखाधड़ी के मामले में जमानत देने के लिए पांच लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। जनवरी में निकम ने हाईकोर्ट से एंटिसिपेटरी बेल मांगी थी, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया था। मार्च में हाईकोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से पहले बेल देने से इनकार कर दिया था।

एक महिला द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, उसके पिता को सरकारी नौकरी देने के बहाने किसी को धोखा देने के आरोप में न्यायिक हिरासत में हैं। जब निचली अदालत ने उनकी जमानत खारिज कर दी, तो महिला ने सतारा सत्र न्यायालय में नई जमानत याचिका दायर की, निकम ने याचिका पर सुनवाई की।

एसीबी ने आरोप लगाया है कि मुंबई के किशोर संभाजी खरात और सतारा के आनंद मोहन खरात ने निकम के कहने पर महिला से अनुकूल आदेश देने के लिए 5 लाख रुपये की मांग की थी।

जांच एजेंसी ने दावा किया कि 3 से 9 दिसंबर 2024 के बीच की गई जांच के दौरान रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई। जांच में इस बात की पुष्टि हुई कि निकम ने खरात परिवार के साथ मिलीभगत करके रिश्वत मांगी थी। एसीबी ने निकम, खरात परिवार और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

सम्पादकीय

कफ सिरप से बच्चों की मौत की खबरें चिंताजनक, दवाओं की गुणवत्ता पर निगरानी रखना सबसे बड़ी जरूरत

मध्य प्रदेश और राजस्थान से बच्चों की मौतों की जो खबरें आईं, उन्होंने पूरे देश की नींद उड़ा दी है। महज़ खांसी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारी के लिए दी जाने वाली खांसी की दवा, बच्चों के जीवन पर इतनी घातक साबित होगी, इसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। पिछले एक महीने में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा ज़िले में 9 बच्चों की मौत और राजस्थान के विभिन्न जिलों में 3 बच्चों की मौत ने चिकित्सा व्यवस्था, दवा नियमन और प्रशासनिक सतर्कता, तीनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हालांकि केंद्र सरकार ने साफ़ किया है कि मध्य प्रदेश से लिए गए 19 सैंपल्स में से 9 की जांच रिपोर्ट में डायथिलीन ग्लाइकोल या एथिलीन ग्लाइकोल जैसी जानलेवा रसायनों की मौजूदगी नहीं पाई गई है। हम आपको बता दें कि यह वही तत्व हैं जिन्होंने 2019 में जम्मू और 2022-23 में गाम्बिया व उज्बेकिस्तान जैसे देशों में भारतीय दवाओं को लेकर वैश्विक स्तर पर विवाद ख

हम आपको बता दें कि छिंदवाड़ा के परासिया और आसपास के गांवों में अगस्त के अंत से बच्चों में सर्दी-खांसी और हल्का बुखार देखा गया। डॉक्टरों ने उन्हें साधारण खांसी की सिरप और दवाएं दीं। लेकिन कुछ ही दिनों में बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी, पेशाब कम होना, शरीर में सूजन और किडनी से जुड़ी जटिलताएं बढ़ने लगीं। नतीजतन, नौ मासूमों की जान चली गई और पांच बच्चे नागपुर में विशेष इलाज के लिए भर्ती हैं।

राजस्थान में हालात और भी उलझे हुए हैं। सरकार द्वारा मुफ़्त दवा योजना में बांटी जा रही डेक्स्ट्रोमेथॉर्फ़न-आधारित सिरप लेने के बाद सीकर, भरतपुर और बांसवाड़ा के कई बच्चों में गंभीर लक्षण दिखे, जैसे- उल्टी, चक्कर, बेहोशी और घबराहट। इनमें तीन बच्चों की मौत भी हो चुकी है। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने भले ही इन मौतों को सीधे दवा से जोड़ने से इंकार किया हो, लेकिन तत्काल प्रभाव से संबंधित कंपनियों की दवाओं की आपूर्ति रोक दी गई है। जयपुर स्थित [illegible] की 19 दवाओं पर रोक इसीलिए लगाई गई क्योंकि कंपनी की दवा गुणवत्ता का रिकॉर्ड पहले से संदिग्ध रहा है। कंपनी के 10,119 सैंपल्स में से 42 घटिया पाए गए थे।

देखा जाये तो भारत दुनिया का 'फार्मेसी हब' कहलाता है, लेकिन समय-समय पर घटिया दवाओं के मामले हमारी छवि को धूमिल करते हैं। सवाल यह है कि जब दवा कंपनियों के खिलाफ पहले से संदिग्ध रिपोर्ट थीं, तो उन्हें सरकारी योजनाओं में शामिल क्यों किया गया? साथ ही विशेषज्ञ लगातार कहते आए हैं कि दो साल से छोटे बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। लेकिन ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों में अक्सर बिना उचित परामर्श के इन्हें दिया जाता है। यही लापरवाही जानलेवा बनती है। केंद्र सरकार ने तो फिलहाल [illegible] के सैंपल्स को सुरक्षित बताया है, लेकिन बाकी रिपोर्टें अभी आनी बाकी हैं। जब तक सभी जांच पूरी नहीं होतीं, तब तक कोई भी निष्कर्ष जल्दबाजी होगा। फिर भी राज्यों और केंद्र के बयानों में तालमेल की कमी आम जनता की चिंता बढ़ाती है।

अक्सर देखने में आता है कि ग्रामीण परिवार खांसी-जुकाम को हल्का समझकर बच्चों को अपने आप ही दवाएं दे देते हैं। यहां यह समझना ज़रूरी है कि बच्चों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता अलग होती है और कई दवाओं के दुष्प्रभाव घातक हो सकते हैं।

इस बीच, स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को साफ़ हिदायत दी है कि दो साल से छोटे बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं न दी जाएं। डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को इसके लिए विशेष प्रशिक्षण और दिशा-निर्देश जारी करने होंगे। आगे की राह क्या हो यदि इस पर गौर करें तो सबसे पहला काम यह होना चाहिए कि जिन कंपनियों का रिकॉर्ड खराब है, उनकी दवाओं को सरकारी आपूर्ति श्रृंखला से तत्काल हटाया जाना चाहिए। साथ ही, फार्मा कंपनियों के लिए कठोर ऑडिट और बार-बार टेस्टिंग अनिवार्य की जानी चाहिए। इसके अलावा, जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका अहम है, वहां दवाओं के सही उपयोग और खुराक के बारे में स्पष्ट गाइडलाइन दी जानी चाहिए। साथ ही परिवारों को बताना चाहिए कि बच्चों को बिना डॉक्टर की सलाह के खांसी-जुकाम की सिरप न दें। साधारण घरेलू देखभाल जैसे भाप, गर्म पानी और साफ-सफाई कई बार ज्यादा प्रभावी होती है। इसके अलावा, मौत के मामलों पर स्पष्ट रिपोर्ट जनता के सामने समय पर लाना सरकार की ज़िम्मेदारी है, ताकि अफवाहें और डर न फैलें।

देखा जाये तो यह केवल छिंदवाड़ा या राजस्थान का मामला नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। बच्चों की ज़िंदगी से जुड़ा यह संकट हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हमारी दवा निगरानी प्रणाली उतनी सख्त़ है, जितनी होनी चाहिए? क्या हमने स्वास्थ्य सेवाओं में सतर्कता और ज़िम्मेदारी को पर्याप्त महत्व दिया है?

बहरहाल, इन सवालों के जवाब केवल जांच रिपोर्टों से नहीं, बल्कि प्रणालीगत सुधारों से आएंगे।

आधारभूत सुविधाओं की कमी से फल-फूल रहे हैं पाखंडी धर्म गुरु

योगेंद्र योगी

भारत में आधारभूत सुविधाओं की कमी एक जटिल मुद्दा है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, और शहरी क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढाँचे (जैसे सड़कें, पुल, आदि) में खामियाँ पाई जाती हैं। इसके मुख्य कारण भूमि अधिग्रहण में बाधाएँ, भ्रष्टाचार, कुशल प्रबंधन की कमी और मांग में वृद्धि हैं। ऐसे हालात देश में ढोंगी बाबाओं को पनपने का मौका देते हैं। ऐसे फर्जी बाबाओं, मौलवियों और पादरियों की सूची में एक नाम और जुड़ गया है। दिल्ली के इंस्टीट्यूट में यौन शोषण के मामला मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि 17 छात्राओं ने श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के प्रबंधक स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्राओं को देर रात कथित स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती के क्वार्टर में बुलाया जाता था। स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती मूल रूप से ओडिशा का रहने वाला है और उस पर पहले भी 2009 और 2016 में छेड़छाड़ के केस दर्ज हो चुके हैं।

धर्म की आड़ लेकर ऐसे फर्जी बाबा, मौलवी और पादरियों की फेहरिस्त काफी लंबी हैं, जिन्होंने न सिर्फ लोगों को शोषण किया बल्कि धार्मिक आस्थाओं को चोट पहुंचाने का काम किया है। देश में कई ऐसे बाबा हैं जिन्होंने धर्म की आड़ में लोगों का शोषण किया। बाद में पकड़े गए और अब जेल की सलाखों के पीछे हैं या फरार हैं। हरियाणा के रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहे गुरमीत राम रहीम को 2017 में दो साध्वियों से दुष्कर्म के मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और डेरा के पूर्व प्रबंधक रंजीत सिंह की हत्या के मामले में भी उन्हें उम्रकैद की सजा मिली। गुरमीत को बार-बार पैरोल और फरलो मिलने की वजह से विवाद भी रहा है। हाल ही में, अगस्त 2025 में उन्हें 40 दिन की पैरोल दी गई, जो उनकी 14वीं रिहाई थी।

राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद आसाराम को 2018 में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उन पर सूरत की दो सगी बहनों से दुराचार, गवाहों पर हमला और हत्या जैसे गंभीर आरोप हैं। आसाराम का बेटा नारायण साईं भी सूरत की जेल में दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है। हरियाणा के ही एक और बाबा संत रामपाल हिसार जेल में बंद हैं। सतलोक आश्रम चलाने वाले रामपाल पर देशद्रोह, शारीरिक शोषण, अवैध हथियार रखने और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे आरोप हैं। जिसके बाद उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई। स्वामी भीमानंद, जिन्हें इच्छाधारी बाबा के नाम से जाना जाता है। दिल्ली में देह व्यापार का रैकेट चलाने के आरोप में जेल में हैं। तमिलनाडु में तिरुचिरापल्ली आश्रम चलाने वाले स्वामी परमानंद भी जेल में बंद हैं। उनके ऊपर 13 महिलाओं से रेप के आरोप हैं।

सन 90 के दौर में धीरेंद्र ब्रह्मचारी के ऊपर अपनी गन फैक्?ट्री में अवैध विदेशी हथियार रखने के आरोप लगे। एक तांत्रिक के रूप में विख्यात चन्द्रास्वामी के पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव से गहरे संबंध थे। ईडी ने उनपर 13 मामलों में फेमा के उल्लंघन के मामले में 9 करोड़ रुपए की पेनल्टी लगाई थी। लंदन के एक व्यापारी के साथ धोखाधड़ी के मामले में 1996 में चंद्रास्वामी को गिरफ्तार किया गया था। राजीव गांधी हत्या मामले में भी उनपर हत्यारों की वित्तीय मदद करने के आरोप लगे थे। राजस्थान के अलवर जिले में बहुचर्चित यौन शोषण के आरोपी कौशलेंद्र प्रपन्नाचार्य उर्फ फलाहारी बाबाफलाहारी बाबा यौन शोषण के मामले में उम्रकैद की सजा हुई। इसके साथ ही कोर्ट ने एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया था। मुंबई में राधे मां विवादों में रही। उन पर मिनी स्कर्ट पहनने, भक्तों के गले लगना, उनके साथ डांस करना, यही वजह है कि उनपर अश्लीलता फैलाने का भी आरोप लग चुका है। स्वामी नित्यानंद दक्षिण भारतीय अभिनेत्री के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दिए जिसके बाद उनके समर्थकों ने खासा हंगामा किया।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने जमालुद्दीन उर्फ़ छांगुर बाबा को धर्मांतरण के आरोप में गिरफ़्तार भी किया। बलरामपुर ज़िले में उनके घर को बुलडोज़र से गिरा दिया। छांगुर बाबा पर धर्मांतरण, विदेशी फंडिंग जैसे आरोप हैं। छांगुर बाबा के 14 ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय छापेमारी की। बरेली की एक मस्जिद में नमाज पढ़ाने वाले मौलाना ने मस्जिद की साफ सफाई करने वाली लड़की को जबरदस्ती पकड़कर उसके साथ गलत काम किया। लड़की द्वारा विरोध करने पर उसकी अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी गई। पुलिस ने आरोपी मौलाना को गिरफ्तार कर लिया है। गोरखपुर के गुलहरिया थानाक्षेत्र में एक मौलवी ने निकाह का वादा कर युवती के साथ शारीरिक संबंध भी बनाना शुरू कर दिया। जब युवती गर्भवती हो गई और निकाह का दबाव बनाने लगी तब मौलवी फरार हो गया। अलवर जिले में एक मौलवी की ओर से 5 वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ और दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी मौलवी को गिरफ्तार कर लिया। इसी तरह स्वयंभू ईसाई धर्म प्रचारक बजिंदर सिंह के खिलाफ पंजाब पुलिस ने यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया था। साल 2018 में जीरकपुर की एक महिला द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद उन पर एक और यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया था। तब बजिंदर को लंदन जाते समय दिल्ली एयरपोर्ट से पकड़ लिया गया था। साल 2023 में बजिंदर सिंह के ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापेमारी की थी। तमिलनाडु के कोयंबटूर में ईसाई पादरी को दो नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान 32 वर्षीय जॉन जेबराज के रूप में हुई जो कोयंबटूर के किंग जेनरेशन चर्च में पादरी था और केरल के इलाकों में भी धर्मोपदेश देता था। पुलिस ने उसे पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया।

हमारे देश में धर्मभीरु जनता के अंधविश्वासों का फायदा उठाकर बाबागीरी का कारोबार किस तरीके से फूल-फल रहा है, इसका उदाहरण डेरा सच्चा सौदा प्रमुख बाबा राम रहीम प्रकरण में सामने आया। यौन शोषण मामले में सीबीआई अदालत ने जब उन्हें दोषी ठहराया तो पंजाब-हरियाणा के कई हिस्सों में आगजनी-हिंसा हुई। बाबा समर्थकों ने दो रेलवे स्टेशनों में आग लगा दी और कुछ स्थानों पर हालात नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू लगाना पड़ा। अतीत में देश में ऐसी स्थितियां कई बार बन चुकी हैं। हरियाणा में ही 2014 में संत रामपाल के समर्थक ऐसा कर चुके हैं। पुलिस से संत रामपाल के समर्थक सीधे टकराए थे और हालात काबू पाना मुश्किल हो गया था। यही नहीं, मथुरा में बाबा रामवृक्ष के बेकाबू समर्थकों को नियंत्रित करने में पुलिसकर्मियों को भी जान गंवानी पड़ी थी। रामवृक्ष यादव बाबा जय गुरुदेव के अनुयायी थे, जिन्होंने एक निजी सेना बना ली थी और उनकी समानांतर सरकार चलाने का प्रयास किया था। अंततः रामवृक्ष पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया।

इससे पहले कथित संत आसाराम बापू के समर्थक ऐसी ही हिमाकत कर चुके हैं। जयपुर में वर्ष 2001 में बाबा जय राम दास के मामले में भी ऐसा ही हुआ। पुलिस ने इस बाबा को अपनी एक महिला भक्त की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया। इस बाबा पर दर्जनों महिलाओं के यौन शोषण का आरोप लगा। बाबा बीमारी जब के कारण अस्पताल में भर्ती हो गया तब सैकड़ों की संख्या में महिलाएं उसके दर्शन करने पहुंच गई, यह जानते हुए भी इस बाबा पर दर्जनों महिलाओं ने यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। दरअसल देश में धर्म की आड़ लेकर लोगों के दुख-दर्द दूर करने का झांसा देने वाला बाबा अपना उल्लू सीधा करते रहे हैं।

'क्रांति बंदूकों की गोलियों से नहीं, विचारों की शक्ति से आती है।'

डॉ. सत्यवान सौरभ

23 मार्च, 1931-लाहौर की जेल में तीन युवकों के कदमों की आहट सुनाई देती है। भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव मुस्कुराते हुए फाँसी की ओर बढ़ते हैं। उन्हें मौत का कोई डर नहीं है, बल्कि उनकी आँखों में एक चिंगारी है-क्रांति की, बदलाव की। वे जानते हैं कि उनके विचार कभी नहीं मरेंगे। 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फाँसी दे दी गई। लेकिन क्या एक क्रांतिकारी सचमुच मर सकता है? उनके विचार, उनकी सोच और उनकी प्रेरणा आज भी जीवित है। उन्होंने न केवल ब्रिटिश शासन के विरुद्ध, बल्कि समानता, न्याय और स्वतंत्रता पर आधारित भारत के लिए भी संघर्ष किया।

एक विचारक का जन्म

28 सितंबर, 1907 को पंजाब (अब पाकिस्तान में) के बंगा गाँव में जन्मे भगत सिंह का बचपन किताबों और क्रांतिकारी चर्चाओं के बीच बीता। उनका परिवार देशभक्ति में डूबा हुआ था। हालाँकि, 1919 का जलियाँवाला बाग हत्याकांड उनके लिए एक बड़ा झटका था। उन्होंने महसूस किया कि आज़ादी सिर्फ़ एक सपना नहीं, बल्कि संघर्ष की एक हक़ीक़त होनी चाहिए। भगत सिंह बचपन से ही विद्रोही और जिज्ञासु थे। जलियाँवाला बाग हत्याकांड (1919) ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया और उन्हें यह निर्णय लेने पर मजबूर कर दिया कि वे सिर्फ़ मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते।

क्रांति की राह पर पहला कदम

हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एँ) में शामिल होकर, भगत सिंह ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध अपनी लड़ाई को आकार दिया। सॉन्डर्स हत्याकांड (1928) - भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या कर दी। इससे एक क्रांतिकारी संदेश गया कि अत्याचार का विरोध किया जाएगा। असेंबली बम कांड (1929) - भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने ब्रिटिश संसद में बम फेंका, लेकिन इसका उद्देश्य किसी को नुकसान पहुँचाना नहीं था। वे गिरफ़्तार होने को तैयार थे ताकि अदालत कक्ष से पूरे देश को अपने विचार बता सकें। उनका उद्देश्य केवल हिंसा नहीं था। उनका उद्देश्य लोगों को जागृत करना था, उन्हें यह दिखाना था कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक परिवर्तन के बारे में नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के बारे में भी होनी चाहिए।

जेल में विचारों की क्रांति

भगत सिंह केवल बंदूकधारी क्रांतिकारी नहीं थे; वे विचारों की शक्ति में विश्वास करते थे। जेल में रहते हुए, उन्होंने 64 दिनों तक भूख हड़ताल की, जिससे ब्रिटिश सरकार को आत्मसमर्पण करने पर मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कई लेख लिखे जो समाजवाद, धर्म और स्वतंत्रता पर उनके विचारों को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। उनका मानना ??था कि सच्ची क्रांति तब होगी जब समाज में परिवर्तन की लहर दौड़ेगी। यह कहना गलत नहीं होगा कि भगत सिंह की असली ताकत उनकी कलम और उनकी सोच में निहित थी। जेल में रहते हुए, उन्होंने कई लेख लिखे जिनमें उन्होंने समाजवाद, धर्म, स्वतंत्रता और क्रांति पर अपने गहन विचार व्यक्त किए। उन्होंने एक बार कहा था, 'अगर आप चाहते हैं कि बहरे भी सुनें, तो आपको अपनी आवाज़ बहुत ऊँची उठानी होगी।'

शहादत और अमरता

भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को 23 मार्च, 1931 को फाँसी दे दी गई थी। लेकिन उनकी मृत्यु केवल एक घटना नहीं थी; उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को और भी मज़बूत किया। उनकी विचारधारा, उनका साहस और उनकी क्रांतिकारी भावना आज भी जीवंत है। भगत सिंह की विचारधारा न केवल ब्रिटिश शासन के विरुद्ध थी, बल्कि शोषण-मुक्त, न्यायपूर्ण और वैज्ञानिक सोच पर आधारित समाज की भी वकालत करती थी। उनकी विचारधारा आज भी हमें एक नई दिशा प्रदान करती है।

आज के समय में भगत सिंह की विचारधारा की प्रासंगिकता

आज, जब हम आर्थिक असमानता, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, सामाजिक भेदभाव और सांप्रदायिकता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं, भगत सिंह की विचारधारा पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने न केवल स्वतंत्रता के लिए संघर्ष किया, बल्कि शोषण-मुक्त और समानता पर आधारित समाज की भी कल्पना की। भगत सिंह का मानना ??था कि सच्ची आज़ादी तभी प्राप्त होगी जब जनता शिक्षित और जागरूक होगी। आज भी बेहतर शिक्षा व्यवस्था और तार्किक सोच की आवश्यकता है। उन्होंने जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव से मुक्त समाज की वकालत की। आज भी हमें सामाजिक समरसता और समान अवसरों की दिशा में काम करने की आवश्यकता है। भगत सिंह युवाओं को बदलाव का वाहक मानते थे। आज, जब देश के युवा विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी आवाज़ उठा रहे हैं, भगत सिंह की विचारधारा उनका मार्गदर्शन कर सकती है। भगत सिंह ने एक ऐसी शासन प्रणाली की कल्पना की जो जनता की सेवा करे, न कि स्वार्थ के लिए सत्ता का दुरुपयोग करे। आज भी पारदर्शिता और जवाबदेही की माँग बनी हुई है। क्या हम उनके सपनों का भारत बना सकते हैं?

वैश्विक कूटनीति का चातुर्य काल, मोदी डॉक्ट्रिन से मजबूत हुआ भारत

कमलेश पांडे

वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का तात्पर्य उस दौर से है जब विश्व के देशों के बीच कूटनीति (राजनय) और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में निपुणता, समझदारी और रणनीतिक कुशलता अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इस काल में देशों को सीमाओं के पार जटिल राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संदर्भों में अपने हितों की रक्षा और विस्तार के लिए सूझ-बूझ, संतुलन, संवाद, और मध्यस्थता करनी पड़ती है। 21वीं सदी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल के अधिष्ठाता समझे जाते हैं। उन्होंने समकालीन विश्व को जो कूटनीतिक संदेश दिया है, वह ।मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत के नाम से मशहूर है।

कहना न होगा कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का यह काल वैश्विक सत्ता संघर्ष, क्षेत्रीय विवाद, आर्थिक साझेदारी, तकनीकी और आर्थिक सहयोग तथा बहुपक्षीय कूटनीतिक पहलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय माहौल को स्थिर और सकारात्मक बनाए रखने के लिए दक्षता और चतुराई की आवश्यकता पर जोर देता है। उदाहरण के रूप में, भारत की हाल की विदेश नीति में अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, मध्य पूर्व संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे वैश्विक तनावों के बीच तटस्थता और संतुलन बनाए रखने की रणनीति, और क्षेत्रीय सहयोग जैसे क्वाड पहल शामिल हैं, जो वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल की एक झलक हैं।

निःसन्देह, इस काल में कूटनीतिक क्रियाकलाप बिना बल प्रयोग के अपने राष्ट्रों के योगदान और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रीत होते हैं। इसलिए, वैश्विक कूटनीति के चातुर्य काल का मतलब समग्र वैश्विक वातावरण में सूझ-बूझ और सामंजस्यपूर्ण कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से अपने और वैश्विक हितों को संतुलित और सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाने की क्षमता को कह सकते हैं। यह मोदी डॉक्ट्रिन यानी मोदी सिद्धांत से प्रभावित है।

दरअसल, मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वह नीति-संहिता, जिसमें भारत अपनी विदेश नीति, सुरक्षा नीति और आतंकवाद के खिलाफ रणनीति में पहले से काफी ज्यादा आक्रामक, आत्मनिर्भर और सक्रिय हो गया है। इस सिद्धांत के तहत भारत हर अंतरराष्ट्रीय मसले में 'भारत के हित' को सर्वोपरि रखता है। भारत अब किसी एक गुट का हिस्सा नहीं बनता, बल्कि सभी देशों से कूटनीतिक संबंध मजबूत करता है। भारत 'मल्टी-अलाइनमेंट' को प्रोत्साहित करता है, ताकि उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता बनी रहे।

लिहाजा, 'मेक इन इंडिया' और आर्थिक-तकनीकी आत्मनिर्भरता का भी इसमें खास महत्व है। मोदी डॉक्ट्रिन के अनुसार, भारत अब आतंकवाद के खिलाफ सिर्फ डिफेंसिव नहीं, बल्कि आक्रामक रणनीति अपनाता है।

सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों ने यह दिखाया है कि भारत अब अपनी सुरक्षा के लिए सीमा-पार कार्रवाई करने से नहीं डरता। अब भारत आतंकवादियों के खिलाफ डोजियर भेजने की नीति को छोड़कर, सीधे सैन्य दबाव बनाता है।

भारत की संप्रभुता के खिलाफ किसी भी कार्रवाई पर तत्काल और कठोर जवाब दिया जाता है। किसी भी तरह के परमाणु युद्ध या जमीनी युद्ध के डर से भारत पीछे नहीं हटता; बल्कि भारत अपनी शर्तों पर कार्रवाई करता है। भारत की मजबूत स्थिति का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान के ऊपर परोक्ष रूप से चीनी/अमेरिकी हाथ होने के बावजूद भारत ने उसके छक्के छुड़ा दिया और युद्धोंमत पाकिस्तान को भारत के समक्ष घुटने टेकने व गिड़गिड़ाने को मज़बूर कर दिया।

भारतीय संस्कृति, सभ्यता और योग जैसे वैश्विक अभियान भी इसी नीति का हिस्सा हैं। मोदी डॉक्ट्रिन का मतलब है- निर्णायक, निर्भीक, आक्रामक, बहुपक्षीय, आत्मनिर्भर और भारत-हित केंद्रित नीति, जिससे भारत वैश्विक मंच पर ज्यादा शक्तिशाली स्थिति में पहुंचा है। मसलन, आधुनिक संकटों में चातुर्य काल की अवधारणा को लागू करने का मतलब है जीवन में अनुशासन, संयम, और सूझ-बूझ के साथ संकटों का सामना करना। चातुर्य काल में आत्मसंयम, भक्ति, सामाजिक नियमों का पालन, और मानसिक संतुलन बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। इसी प्रकार, आधुनिक संकटों में- जैसे आर्थिक संकट, पर्यावरणीय समस्याएं, सामाजिक अस्थिरता या वैश्विक तनाव- इन गुणों का पालन करके स्थिरता और समाधान की दिशा में काम किया जा सकता है। चातुर्य काल की तरह, जब हम सीमित संसाधनों में संयमित और विवेकपूर्ण निर्णय

लेते हैं, अपने जीवन में नियम और संतुलन बनाए रखते हैं, तो कठिनाइयों का सामना करना आसान हो जाता है। जैसे पारंपरिक चातुर्मास में व्रत और तपस्या से मन की शांति और अनुशासन मिलता है, वैसे ही आधुनिक संकटों में धैर्य, समझदारी, और संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। इसका अर्थ है कि जब बाहरी परिस्थितियाँ अनिश्चित या कठिन हों, तब भी आंतरिक स्थिरता, नैतिकता, और सामाजिक जिम्मेदारी बनाए रखते हुए समाधान खोजने का प्रयास करना। आधुनिक दुनिया में यह वैश्विक कूटनीति, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक नीति, और सामाजिक सौहार्द जैसे क्षेत्रों में लागू किया जा सकता है, जहां सरल जीवन और विवेकपूर्ण कूटनीति से संकट प्रबंधन संभव होता है। वाकई वैश्विक कूटनीति के 'चातुर्य काल' के बाबत भारत के प्रधानमंत्री मोदी सिद्धांत को इस अद्भुत 'चातुर्य काल' का श्रेय देना ज्यादा उपयुक्त होगा, क्योंकि समकालीन विश्व में चाहे अमेरिका हो, चीन हो, रूस हो, यूरोपीय संघ हो, या अरब देश हों, सभी भारत के युगांतरकारी गुटनिरपेक्ष कूटनीति की मुखापेक्षी बने हुए हैं। चाहे ऑस्ट्रेलिया हो, अफ्रीकी देश हों या दक्षिण अमेरिकी देश, लगभग सभी भारत की तरह संतुलित राह पर अग्रसर रहना चाह रहे हैं। भारत की बढ़ती प्रगति और मजबूत होते आर्थिक व सैन्य सामर्थ्य से उनकी परिवर्तित निष्ठा भी स्वाभाविक है।

चूंकि दुनिया के अधिकांश देश रूढ़िवादी/अनुदार देश हैं, इसलिए वो देश भारत की जनापेक्षी मौलिक नीतियों की नकल भी सही तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए इसको नख से सिख तक समझना हरेक भारतीय के लिए बहुत जरूरी है। सच कहूं तो शांतिपूर्ण विकास व सहअस्तित्व का सिद्धांत ही मोदी प्रशासन का एकमात्र ध्येय है। लेकिन इससे हथियार व गोली-बारूद निर्माता षड्यंत्रकारी पश्चिमी-पूर्वी देशों की अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है।

कहना न होगा कि पश्चिमी देश भले ही लोकतंत्र व शांति की माला जपते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे से अशांति पैदा करने के लिए आतंकवाद, नक्सलवाद और अंडरवर्ल्ड के गुप्त संरक्षक भी यही हैं ताकि इनके हथियार व गोली बारूद का कारोबार चमकता रहे। इनके नशे और आपराधिक गोरखधंधे का तस्करी नेटवर्क खूब फल-फुले। इससे चिकित्सा व सुरक्षा उपकरणों की बिक्री भी खूब बढ़ती है। क्रिप्टो करेंसी व हवाला की आड़ में ये पूरी दुनिया को अस्थिर व असुरक्षित बनाये हुए हैं।

हालांकि, जब दुनिया के विभिन्न देशों की समझदारी बढ़ी व पूंजीवादी कब्जे तथा लाभ के एकसमान बंटवारे की बात उठी तो उनमें परस्पर होड़ मच गई। फिर इन्होंने क्षेत्र व धर्म के नाम पर इनकी पारस्परिक गोलबंदी बढ़ी। जहां एक ओर ईसाई व यहूदी देश एक हुए, वहीं दूसरी ओर मुस्लिम देश भी परस्पर एक हुए। इससे तीसरी ओर भी जागरूकता बढ़ी और विश्व के हिन्दू-बौद्ध-सिख-जैन धर्म आदि धर्मों से प्रभावित देश भी एकजूट होने के लिए सोचने लगे और भारत-चीन जैसे सामर्थ्यवान देशों ने अपने अंतर्विरोधों को पाटने को सतर्क हो गए।

यदि पुरानी प्रतिद्वंद्विता की बात छोड़ भी दें तो मौजूदा दौर में जी-7, जी-20 बनाम ब्रिक्स व ग्लोबल साउथ के देशों में जो स्वहित साधन की होड़ मची हुई है, उसका ध्येय भी लगभग यही है। इसलिए कोई अमेरिकी छतरी तले जा रहा है तो कोई उसे उतारकर फेंक रहा है। कोई चीनी छतरी में जाने को बेताब है तो कोई इससे परहेज कर रहा है। इससे रूस व भारत की वैश्विक साख पुनः चमक उठी है। दुनियावी देश इनकी वस्तुनिष्ठ नीतियों पर फिदा हुए हैं।इससे परेशान अमेरिका-यूरोप के द्वारा जहां रूस के विरोधी यूक्रेन को भड़काकर रूस पर निरंतर हमलावर बना दिया गया है, वहीं भारत के खिलाफ पाकिस्तान/बंगलादेश को अक्सर सहयोग देकर खड़ा कर दिया जाता है।

उधर, सम्भावित रूस, भारत, चीन गठजोड़ को कमजोर करने के लिहाज से तीसरे प्रमुख देश चीन के खिलाफ भी कभी ताइवान को भड़काया जाता है तो कभी तिब्बत के मसले को हवा दी जाती है। कभी चीन के शिनजियांग प्रान्त के मुस्लिम उत्पीड़न को उभारने की कोशिश की जाती है।चूंकि रूस-चीन-भारत के अंतर्विरोधों से दुनिया सशंकित रहती है, इसलिए क्षुद्र अमेरिकी कूटनीति प्रायः हर जगह सफल हो जाती है।

हालांकि, इसी प्रतिक्रियास्वरूप अमेरिका पूरी दुनिया में जहां-जहां भी खड़ा होने के लिए मेहनत करता है, वहां-वहां रूस-चीन-ईरान भी उसके पांव उखाड़ने में मशगूल लगते हैं। यदि वियतनाम, लीबिया, इराक युद्ध में अमेरिकी विफलता की बात अभी भुला भी दी जाए तो अफगानिस्तान से लेकर अरब व खाड़ी देशों तक में अमेरिकी पांव उखाड़ने में रूस-चीन सफल होते प्रतीत हो रहे हैं। नाटो की तर्ज पर इस्लामिक नाटो बनना इस नजरिए से एक बड़ा संकेत है। इसमें पाकिस्तान ने भी रूस-चीन का गुप्त साथ दिया है। जिससे अमेरिका यहां भी अलग-थलग पड़ गया है।

यद्यपि इजरायल को लेकर अमेरिका अरब और खाड़ी देशों में अपनी मौजूदगी रखता है, फिर भी यहां ईरान उसके खिलाफ है। चूंकि इजरायल तो अकेले सभी मुस्लिम देशों की नाक में दम कर रखा है, इससे शिया व सुन्नी देश में बंटे अरब व खाड़ी देश भी पारस्परिक बैरभाव भूलकर पश्चिमी नाटो की तर्ज पर इस्लामिक नाटो बना रहे हैं। वहीं, पाकिस्तान जैसा दोगला मुल्क इस्लामिक संघ के साथ है, अमेरिका के साथ है या चीन के साथ, भरोसे के साथ कुछ भी कहा नहीं जा सकता। सुन्नी देश पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के साथ है, लेकिन ईरान के साथ रहेगा या नहीं, वही जाने।

इसी तरह से भारत और इजरायल में समझदारी भरी मित्रता है, क्योंकि दोनों के अस्तित्व को मुस्लिम एकजुटता से खतरा है। यह भारतीय कूटनीति का ही कमाल है कि इजरायल के दुश्मन ईरान से भी भारत की अच्छी समझदारी भरी मित्रता है। पहले अमेरिकी प्रभाववश ईरान से दूरी बनी थी, लेकिन रूस के साथ मिलकर उसे भी पाट दिया गया। भारत एक साथ अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, इटली, जापान, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरकोरिया, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील आदि को साधकर अपने विकास की ओर अग्रसर है। इससे अमेरिका के पेट में मरोड़ उठता रहता है, जबकि रूस भारतीय मित्रता भाव से संतुष्ट रहता है। यही भारत की ताकत भी है। खा जाए तो दुनियावी देशों की इन सब द्विपक्षीय कोशिशों का एक मात्र ध्येय यही है कि खुद को आर्थिक व सैन्य दृष्टि से निरंतर मजबूत कीजिए, और अपने हित साधन के लिए दूसरे देशों को परस्पर उलझते रहने दीजिए। जब भी मौका मिले तो निज स्वार्थ के खातिर लोकतंत्र, शांति व विकास की माला जपिए, लेकिन कहीं तानाशाहों को बढ़ावा दीजिए, तो कहीं चरणरज मूर्ख नेताओं को जनतांत्रिक गद्दी दिलवाइए, ताकि उनकी मदद की आड़ में वहां के प्राकृतिक संसाधनों को लूटा जा सके और अपना लाभदायक व्यापार उन पर थोपा जा सके।

हालांकि, पहले औद्योगिक क्रांति और फिर सूचना क्रांति ने दुनिया के सभी देशों को जगा दिया है। जैसे प्राचीन युग में भूमि-पशुधन संसाधनों पर काबिज होने के लिए युद्ध होते थे, उसी तरह से मध्य युग में धर्म के नाम पर धर्मयुद्ध होने लगे। इसी बीच औद्योगिक क्रांति होने से जब पूंजीवादी देश लोकतंत्र के नाम पर दूसरे देशों पर हावी होने लगे तो इन्हीं में से कुछ ने साम्यवाद और समाजवाद का स्वर बुलंद करके इन्हें काबू में रखने की कोशिशें की। रूस-चीन को इसका श्रेय जाता है।

इसी दौर में यानी 20वीं सदी में यूरोपीय देशों में दो दो विश्व-युद्ध हुए, जिसमें एशियाई उपनिवेशों को भी शामिल किया गया। सच कहूं तो भारत-चीन जैसे एशियाई देशों को आजाद करवाने में इन विश्व युद्धों की बड़ी भूमिका है, क्योंकि इससे इंग्लैंड कमजोर हुआ। बताते चलें कि प्रथम विश्व युद्ध मुख्य रूप से दो गठबंधनों के बीच लड़ा गया थाः एक ओर मित्र राष्ट्र, जिनमें फ्रांस, ब्रिटेन, रूस, इटली और संयुक्त राज्य अमेरिका (बाद में शामिल) जैसे देश थे, और दूसरी ओर केंद्रीय शक्तियाँ, जिनमें जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, बुल्गारिया और ओटोमन साम्राज्य शामिल थे।

हालांकि रूस बाद में युद्ध से हट गया। जबकि इटली (1915 से) और संयुक्त राज्य अमेरिका (1917 से) प्रथम विश्व युद्ध में जुड़ गए थे। अन्य देश जैसे जापान, सर्बिया, ग्रीस और अन्य देश बाद में मित्र राष्ट्रों में शामिल हुए। वहीं, केंद्रीय शक्तियाँ में जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, ओटोमन साम्राज्य, बुल्गारिया शामिल थे। यह युद्ध एक वैश्विक संघर्ष था जिसकी शुरुआत सर्बिया और ऑस्ट्रिया-हंगरी के बीच एक क्षेत्रीय संघर्ष के रूप में हुई थी, लेकिन बाद में यह कई यूरोपीय साम्राज्यों के बीच फैल गया और इसमें 30 से अधिक देशों ने हिस्सा लिया।

शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

जनमानस की शिकायतों का निराकरण, प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता-जिलाधिकारी

भदोही। जन शिकायतो के त्वरित निस्तारण एवं कार्यवाही के दृष्टिगत ''सम्पूर्ण समाधान दिवस'' जनपद के सभी तहसीलों में आज्योजित किया गया। जनपद भदोही के तहसील औराई में जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, उप जिलाधिकारी बरखा सिंह के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी कुवर वीरेन्द्र मौर्य, उप जिलाधिकारी अरुण गिरी, तहसील ज्ञानपुर में अपर जिलाधिकारी विजय नारायण सिंह, उप जिलाधिकारी भान सिंह व अन्य अधिकारियो द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर फ़रियादियों की समस्याओ को गंभीरता से सुनकर निस्तारण किया गया।

सभी तहसीलों में जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में सुशासन आधारित लगायें गये विभिन्न कैम्पो- बाल विकास पुष्टाहार विभाग, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड, परिवार नियोजन, समाज कल्याण विभाग द्वारा वृद्धावस्था पेंशन, महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के उन्नयन हेतु विविध योजना मिशन शक्ति, राजस्व विभाग हेल्प डेस्क, जागरूकता हेतु लगाये गये। तहसील भदोही में लगाये गये कैम्प का अपर जिलाधिकारी ने निरीक्षण करते हुयें उनके द्वारा लाभार्थियों को दी जाने वाली योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने तहसील औराई के संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायतों में कुल 46 में से 06 शिकायतों का निस्तारण किया, और शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को

निस्तारण करने का निर्देश दिया। साथ ही आईजीआरएस में प्राप्त लोक शिकायतों का निस्तारण, ऑनलाईन ''सर्विस डिलीवरी'' की सेवाओं में वृद्धि किया गया। जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध समाधान करने का निर्देश दिया। कानूनगो व लेखपाल को निर्देशित किया कि जमीन सम्बन्धी मामले में पुलिस टीम के साथ समन्वय व सहयोग बनाते हुए निस्तारण सुनिश्चित कराये। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कुछ ऐसे मामले होते है जो दो या तीन विभागों के मध्य संयुक्त रहता है। सम्पूर्ण समाधान दिवस एक ऐसा सुअवसर होता है जहा पर एक ही दिन, एक ही निश्चित समय पर सभी जनपदीय अधिकारी उपस्थित होते है। अर्न्तविभागीय समन्वय स्थापित करते हुयें ऐसे सभी मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। उन्होने अधिकारियाों को निर्देशित करते हुये कहा कि प्रदेश सरकार की मंशानुरूप जनता जनार्दन को अपने तहसील स्तर पर ही उनकी शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाएं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस द्वारा शासन त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। तहसील दिवस में आए जनता की समस्याओं का पुलिस व राजस्व अधिकारी संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण करते हुए न्यायोचित निस्तारण कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने ने तहसील औराई समाधान दिवस में निर्देश दिया कि कानूनगो, लेखपाल द्वारा दूसरी बार पैमाइश या आख्या में पहले कुछ कहा गया बाद में कुछ और,अंतर निकल कर आ रहा है ,ऐसे सभी विवादित मामलों का तत्काल निष्पक्षता व पारदर्शिता के साथ समाधान करें नहीं तो उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करते हुए आवश्यकता पड़ी तो प्राथमिकी भी दर्ज कराई जाएगी। राजस्व कर्मी गांव में जाकर स्थलीय मुआयना करते हुए निष्पक्ष व दबाव रहित होकर कार्य करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रो को अधिकारी गुणवत्तापूर्ण ढंग से एक सप्ताह के अन्दर निस्तारण कराना सुनिश्चित कराये। उन्होंने जनपद में शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने हेतु सभी को प्रोत्साहित किया। गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के मंशानुरूप सुशासन को निर्धारित समय सीमा में जनपदवासियों को अच्छादित किया जाय। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की बातो को गम्भीरता से अवश्य सुने। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने कहा कि राजस्व व जमीन प्रकरण शिकायत के निस्तारण हेतु राजस्व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर जॉच करते समय शिकायतकर्ता अथवा वहॉ पर उपस्थित व्यक्तियो के हस्ताक्षर अवश्य कराये तथा फोटोग्राफ्स भी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग स्तर पर ही शिकायतकर्ताओं को संतुष्टि के साथ शिकायत निस्तारण सुनिश्चित करें। यदि प्राथमिक स्तर पर ही विकास खण्ड कार्यालय उप जिलाधिकारी कार्यालय व विभागाध्यक्ष द्वारा गुणवत्ता व संतुष्टिपरक समय-सीमा में शिकायतों का निस्तारण कर लिया जाय तो फरियादियों को जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त व सीएम पोर्टल पर शिकायत करने की स्थिति ही नही आयेगी। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रो को अधिकारी गुणवत्तापूर्ण ढंग से एक सप्ताह के अन्दर निस्तारण कराना सुनिश्चित कराये। ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

सिविल डिफेन्स गठन की कार्यवाही के लिए उपनियंत्रक ने की बैठक

भदोही। सिविल डिफेन्स के गठन की कायवाही के लिए उपनियंत्रक उपजिलाधिकारी न्यायिक ज्ञानपुर द्वारा नगरपालिका परिषद भदोही में अधिशासी अधिकारी धर्मराज सिंह एवं सभासदों के साथ बैठक करके उन्हें नागरिक सुरक्षा संगठन के कार्यों और दामित्वों के बारे में अवगत कराया गया।

नागरिक सुरक्षा कोर की नागरिक आबादी को किसी भी प्रकार के आसन्न खतरे, युद्ध, महामारी या अन्य आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए उन्हें प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें सशस्त बनाया जाना है। उपनियंतंक ने अधिक से अधिक सामाजिक रूप से सक्रिय एवम स्वयं सेवकों को जुड़ने के लिए अपील किया।

नागरिक सुरक्षा संगठन का गठन नागरिक सुरक्षा अधिनियम 1968 के अंतर्गत किया जाना है। जिले में जिलाधिकारी इसके नियंत्रक होते है। नागरिक सुरक्षा संगठन में अवैतनिक पदाधिकारी निष्काम भावना से संगठन से जुड़ते हैं और विभिन्न त्यौहारों, मेलों, प्राकृतिक आपदा, जनकल्याणकारी कार्यो' एवं प्रशासन प्रवास द्वारा संचालित किए जाने वाले विभिन्न अभियानों में भी संगठन के पदाधिकारियों, स्वयं सेवकों द्वारा निरंतर सक्रिय सहयोग किया जाता है।

सुरियावाँ भरत मिलाप में राम-भरत का मिलन देख सजल हुई आंखे..

भदोही। सुरियावां, में 3 अक्टूबर 2025 को रामलीला के तहत भरत मिलाप का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें कलाकार जीवंत अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया और भारी

संख्या में श्रद्धालु इस आयोजन के साक्षी बने,भरत मिलाप का आयोजन श्री रामलीला समिति द्वारा किया जाता है, आयोजन में श्रीधाम वृन्दावन के कलाकार जीवंत अभिनय से लोगों को भावुक कर गए। और पुलिस प्रशासन ने बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी के कारण व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की थी। श्री रामलीला स्थल पर भरत मिलाप में चारों भाइयों के मिलन का दृश्य दिखाया गया, जिससे श्रद्धालु जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठे। इस अवसर पर रामलीला समिति के महामंत्री अवधेश उमर, संचालक अशोक जी, नन्द लाल गुप्ता, प्रकाश जी, अशोक उमर, अश्वनी साहू, लोकेश सेठ, छेदीलाल जी, जयकुमार, भरत मिलाप कमेटी के अध्यक्ष मनीष जायसवाल, नमन, अनिल, लवकुश वैभव, अभिनन्दन, आशुतोष, शिव जी सहित अन्य पदाधिकारी और कई प्रमुख लोग मौजूद रहे, और मेले में पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

12 अक्टूबर को आयोजित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा0) परीक्षा-2025 की तैयारियों के दृष्टिगत अपर जिलाधिकारी ने केन्द्र व्यवस्थापकों/प्राचार्यो के साथ बैठक कर की समीक्षा

परीक्षा को सकुशल व शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु परीक्षा केन्द्रो के आस पास 200 गज की परिधि में ध्वनि विस्तारक यंत्रो का प्रयोग व फोटो स्टेट की दुकानें रहेंगी बन्द

भदोही। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा0) परीक्षा-2025 आगामी 12 अक्टूबर 2025 रविवार को दो पालियों में आयोजित किया जा रहा है। परीक्षा को जनपद भदोही में सकुशल, शान्तिपूर्ण व नकलविहीन सम्पन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी शैलेष कुमार के कुशल निर्देशन में अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल सहित परीक्षा केन्द्रो के प्राचार्य/केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर तैयारियों के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि जनपद के 08 विद्यालयों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है जिसमें काशी नरेश राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर (ब्लाक ँ-),काशी नरेश राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय, ज्ञानपुर (ब्लाक ँ-),विभूति नारायण राजकीय इ0का0 ज्ञानपुर,जिला पंचायत बालिका इ0का0 ज्ञानपुर,श्री इन्द्रबहादुर सिंह नेशनल इ0का0 भदोही,एम0ए0 समद इ0का0 भदोही, ज्ञानदेवी बा0इ0का0 भदोही, दो सत्रो में यथा पूर्वान्ह 09:30 बजे से 11:30 बजे तक एवं अपरान्ह 02:30 बजे से 04:30 बजे तक आयोजित किए जाएंगें। परीक्षा के प्रश्नपत्रो के सील्ड बंडलो को जनपद में आने पर कोषागार में डबल लाक में रखवाने की व्यवस्था अपार जिलाधिकारी के निर्देश पर किया गया

हैं। नकलविहीन, सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढंग से परीक्षा सम्पन्न कराने हेतु 08 सेक्टर मजिस्ट्रेटो अलावा प्रत्येक केन्द्रो पर एक-एक स्टेटिक मजिस्ट्रेटो की तैनाती की गई हैं, इसके अतिरिक्त रिजर्व सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट रखे जाएगें। अपर जिलाधिकारी ने सभी सेक्टर/स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी अधिकारी किसी भी दशा में अपना मोबाइल स्विच आफ नही रखेंगे। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट को यह भी निर्देशित किया गया है कि 12 अक्टूबर 2025 परीक्षा के दिन प्रातः 05:30 बजे व 10:30 बजे से कोषागार भदोही में पहुंचकर प्रश्नपत्र की सील्ड बंडल एवं चाभियों के पैकेट को प्राप्त कर आरक्षीगण के साथ निर्धारित परीक्षा केन्द्र के केन्द्र व्यवस्थापक/सह केन्द्र व्यवस्थापक की उपस्थिति एवं लाइव सी0सी0टी0वी0 कैमरो की निगरानी में उपलब्ध करायेंगे। समस्त स्टेटिक मजिस्ट्रेट परीक्षा के एक दिन पूर्व आवंटित परीक्षा केन्द्र की तैयारी का भौतिक सत्यापन कर यह सुनिश्चित करेंगे कि केन्द्र द्वारा आयोग के अनुरूप परीक्षा सम्बंधी समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों के लिए निर्देशित करते हुए कहा गया कि परीक्षा प्रारम्भ होने के निर्धारित समय से 45 मिनट पूर्व ही केन्द्र में प्रवेश पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा। अतएव प्रथम पाली के परीक्षार्थियों को पूर्वान्ह 08 बजे से परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश प्रारम्भ कराया जाएगा तथा 08:45 के उपरान्त किसी भी दशा में परीक्षा केन्द्र के अन्दर परीक्षार्थी अथवा कोई भी अध्यापक को प्रवेश नही होने दिया जाएगा। इसी प्रकार द्वितीय पाली में दोपहर एक बजे से 01:45 बजे तक ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश पा सकेंगे इसके बाद किसी को परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश की अनुमति नही दी जाएगी अतएव सभी परीक्षार्थी समय का विशेष ध्यान देते हुए अपने परीक्षा केन्द्र पर पहुंचना सुनिश्चित करें। परीक्षा केन्द्र के 200 मीटर गज की परिधि में किसी भी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र प्रतिबंधित रहेगा इसके अलावा फोटोस्टेट की दुकाने पूर्णतया बन्द रहेंगी। परीक्षा केन्द्र के अन्दर किसी भी परीक्षार्थी को किसी भी प्रकार का मोबाइल फोन, इलेक्ट्रानिक घड़ी या अन्य कोई ब्लूटूट अन्य कोई इलेक्ट्रोनिक सामान ले जाना पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा केन्द्र के साथ-साथ रोडवेज, रेलवे व प्रमुख चौराहों पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की तैनाती रहेगी किसी भी परीक्षा केन्द्र पर किसी के द्वारा लापरवाही व अनियमितता बरतने पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी । अपर जिलाधिकारी ने कहा कि सभी केन्द्र व्यवस्थापक/प्राचार्य एवं सेक्टर/स्टेटिक मजिस्ट्रेट आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के अनुसार कार्य सुनिश्चित कराएं ताकि जनपद में नकलविहीन निष्पक्ष व शान्तिपूर्ण ढंग से परीक्षा सम्पन्न कराई जा सकें। परीक्षा केन्द्रो पर प्रत्येक विद्यार्थियों की विधिवत चेकिंग की जाए, चेकिंग के दौरान महिला परीक्षार्थियों को महिला अध्यापक/महिला पुलिस के द्वारा ही इनक्लोजर बनाकर चेक किया जाए। प्रत्येक केन्द्रो पर परीक्षा कक्ष में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा बाहर शौचालय ,पेयजल आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए ।परीक्षा केन्द्र पर सभी स्टेटिक मजिस्ट्रेट एक दिन पूर्व यह सुनिश्चित करेंगे कि परीक्षा कक्ष में लगाए गए सभी सी0सी0टी00वी0 कैमरा चालू हालत में हैं।

इस अवसर पर लोक सेवा आयोग से जनपद के लिए नियुक्त पर्यवेक्षक अबुल आशिफ ने सभी केन्द्र व्यवस्थापको, सेक्टर मजिस्ट्रेटो को आयोग के दिशा निर्देशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उप जिलाधिकारी भदोही अरुण गिरी, ज्ञानपुर भानसिंह,औराई बरखा सिंह, डिप्टी सीईओ बीड़ा अनीता देवी, प्रभारी मुख्य कोषाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान, जिला विकास अधिकारी ज्ञान प्रकाश, उप निदेशक कृषि डॉ अश्वनी सिंह, बीएसए विकास चौधरी व संबंधित उपस्थित रहें।

अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह मिशन शक्ति फेज 5 के अंतर्गत ड्राइविंग माय ड्रीम्स मेगा इवेंट का हुआ भव्य आयोजन

मिशन शक्ति 5 के अंतर्गत बालिकाओं का उत्सवः 3 से 11 अक्टूबर तक मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह

भदोही। उप सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में उपसम्भागीय परिवहन अधिकारी राम सिंह की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपसम्भागीय परिवहन अधिकारी द्वारा मौके पर मौजूद महिलाओं और बालिकाओं को सड़क सुरक्षा सम्बंधित कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमे बताया गया कि महिलाओं को ड्राइविंग आने से न सिर्फ महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा वरन उन्हें पुरुषों पर भी निर्भर नही रहना पड़ेगा और उनके जीवन मे कौशल विकास भी होगा। कार्यक्रम में स्वयं सेवी संस्था उज्जवला सेवा संस्थान की प्रबंधक द्वारा बालिकाओ और महिलाओं को कौशल विकास, सुरक्षा और स्वावलंबन के विषय मे जानकारी दी गई।

महिला कल्याण विभाग द्वारा कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले समस्त महिलाओं,बालिकाओं और पुरुषों को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में भी बताया गया।

कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग की जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी ;गैर.संस्थानिकद्ध चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 से प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, सुपरवाइजर, वन स्टाफ सेंटर से केस वर्कर व अन्य मौजूद रहे।

जनपद प्रशासन द्वारा प्रशिक्षकों (यथासंभव महिला प्रशिक्षक) को चिन्हित किया जायेगा जिनके माध्यम से वयस्क महिलाओं और बालिकाओं को प्रेरित करते हुये न्यूनतम 1 माह (आवश्यकतानुसार अवधि बढाई जा सकती है) का ड्राइविंग कोर्स कराया जायेगा।कम से कम 100 महिलाओं एंव बालिकाओं को प्रशिक्षित करते हुये उनके ड्राइविंग लाइसेंस बनवायें जाने का लक्ष्य होगा। दूरस्थ क्षेत्रों की बालिकाओं व महिलाओं का चयन सुनियोजित प्रक्रिया के माध्यम और प्राथमिकता पर किया जाये। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 03.10.2025 से शुरू किया गया है।इस कार्यक्रम के माध्यम से न सिर्फ महिलाओं व बालिकाओं में आत्मविश्वास बढेगा, उन्हे यातायात हेतु पुरषों पर निर्मर नही रहना होगा,बल्कि उनमें नवीन जीवन कौशल का विकास होगा।

बरेली जा रहे नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे की बरेली यात्रा को पुलिस ने रोका

उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में पिछले सप्ताह शुक्रवार को 'I Love Muhammad' पोस्टर को लेकर हुए हिंसक विवाद के बाद शहर में इंटरनेट सेवा पर प्रतिबंध जारी रहा। हालांकि शुक्रवार को शहर में स्थिति शांत रही और सुरक्षा इंतजामों को बढ़ा दिया गया था। अधिकारियों और सुरक्षा बलों ने फ्लैग मार्च और पदयात्रा के माध्यम से स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखा, जबकि धर्मगुरुओं ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

इस बीच, समाजवादी पार्टी के नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे की बरेली यात्रा को पुलिस ने रोक दिया। पांडे ने बताया कि उन्हें जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से नोटिस दिया गया कि उनका दौरा माहौल बिगाड़ सकता है। पांडे ने कहा कि सरकार अपनी असफलताओं को छिपाने के लिए उन्हें वहां जाने से रोक रही है। उनके लखनऊ स्थित आवास के बाहर भारी पुलिस तैनाती की गई थी।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार की नमाज सभी मस्जिदों में शांति पूर्वक संपन्न हुई और नागरिकों ने प्रशासन के साथ पूरा सहयोग किया। शहर को सुपर जोन, जोन और सेक्टर में बांटकर अधिकारियों को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया। ड्रोन के माध्यम से भी निगरानी की गई। बरेली

विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मणिकंदन ने बताया कि हिंसा में शामिल दोषियों की अचल संपत्तियों की सूची तैयार की जा रही है और जल्द कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि इस विवाद की शुरुआत 9 सितंबर को हुई थी, जब बरावाफत जुलूस के दौरान 'I Love Muhammad' पोस्टर लगाने पर 24 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई थी। क्षेत्र के हिंदू संगठनों ने पोस्टरों को 'जानबूझकर उकसाने वाला' बताया। 26 सितंबर को कोतवाली इलाके की एक मस्जिद के बाहर लगभग 2,000 लोग जमा हुए और विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर फेंके, जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। मौजूदा जानकारी के अनुसार अब तक इस मामले में 81 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिसमें मौलाना तौकीर रज़ा खान और उनके सहयोगी शामिल हैं।

शहर में प्रशासन ने सुरक्षा कड़ी कर दी है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। हिंसा के दौरान हुए नुकसान और कानून-व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

सुरियावां मनापुर टैलेंट कोचिंग क्लासेज की तरफ से महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री के जयंती पर निकाली रैली

भदोही। नगर पंचायत अध्यक्ष विनय चौरसिया व थानाध्यक्ष अजीत कुमार श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना रैली अंबेडकर नगर, चौक बाज़ार, नयागंज, नेतानगर, रामबाग होते हुए संस्थान पर पहुंचकर समाप्त हीर

इस दौरान प्रबंधक राजकुमार सरोज, ग्राम प्रधान चंद्रेश यादव आशीष सरोज, गोपाल जयसवाल, अरुण मिश्री, बनारसी दास परमेंद्र सरोज आदि लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में हुई सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत, एक की हालत गंभीर

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में शनिवार सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि एक महिला की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तीनों लोग कार से दिल्ली से काठमांडू जा रहे थे, इस दौरान रास्ते में कार का टायर पंचर होने पर वे सड़क किनारे खड़े थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक उन्हें रौंदता हुआ निकल गया।

बीसलपुर कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि बीसलपुर बरेली मार्ग पर स्थित भड़रिया मोड़ पर सड़क किनारे शनिवार तड़के लगभग पांच बजे यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि दो

लोगों की मौत दुर्घटनास्थल पर ही हो गई जबकि तीसरे व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान दिल्ली के इंदिरा पार्क के निवासी कार के मालिक गणेश कुमार (25) और नेपाल के काठमांडू के रहने वाले कार चालक निखिल (19) के रूप में हुई है जबकि तीसरे व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

उन्होंने कहा कि अंजलि नामक 20 वर्षीय युवती की हालत बहुत गंभीर है, उसे बरेली भेजा गया है। शुक्ला ने बताया कि निखिल की मां पूजा भी उनके साथ थीं, जो दूसरी ओर खड़ी होने की वजह से बच गईं।

अधिकारी ने कहा कि तीनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं और महिला को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस दुर्घटना के बाद ट्रक समेत फरार हुए चालक की तलाश कर रही है।

वाहन चोरी करने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार, पांच स्कूटर बरामद

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शांतिनगर पुलिस ने वाहन चोरी के मामलों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर पांच चोरी की स्कूटरें और मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इस कार्रवाई से क्षेत्र में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद जताई जा रही है। मामला 21 और 22 सितंबर की दरमियानी रात का है, जब गैबीनगर स्थित खान कंपाउंड रोड पर रहने वाले एक व्यक्ति की नेट्रो 125 स्कूटर (क्रमांक एम-04-एक्स 2877) चोरी हो गई थी। इस संबंध में शांतिनगर थाने में भा.न्या. संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि चोरी की स्कूटर भिवंडी क्षेत्र में एक व्यक्ति के पास है। सूचना के

आधार पर छापेमारी कर पुलिस ने खंडूपाड़ा इलाके से मोईनुद्दीन अलाउद्दीन अंसारी (33) को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपी ने शांतिनगर क्षेत्र में हुई चार और वाहन चोरी की वारदातों की भी कबूलियत की। उसकी निशानदेही पर पांच चोरी की स्कूटरें और मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से ही चार वाहन चोरी के मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उससे गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में पूछताछ कर रही है।यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे, सहायक पुलिस आयुक्त सचिन सांगले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड़, निरीक्षक (प्रशासन) विनोद पाटिल और निरीक्षक (गुन्हे) अतुल अडूरकर के मार्गदर्शन में की गई। इसमें उपनिरीक्षक सुरेश चोपड़े, हवलदार रिजवान शेख, राजेश पाटील, निलेश महाले, प्रशांत बर्वे, रोशन जाधव, नाजीम शेख, भूषण पाटील और निलेश पाटील शामिल थे। पुलिस को विश्वास है कि आने वाले दिनों में इस गिरोह से जुड़ी और वारदातों का खुलासा किया जाएगा।

अमेरिकी नागरिक भारत में धर्म प्रचार करते पकड़ा गया, भिवंडी से तीन गिरफ्तार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। बिजनेस वीजा पर भारत आए एक अमेरिकी नागरिक पर धर्म प्रचार का आरोप लगा है। पुलिस ने अमेरिकी नागरिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। मामला भिवंडी तालुका के चिंबीपाड़ा गांव का है। पुलिस ने धार्मिक साहित्य और कुछ किताबें भी जब्त की हैं।गिरफ्तार किए गए आरोपियों में जेम्स वॉटसन (58) मूल निवासी अमेरिका, वर्तमान में हिरानंदानी एस्टेट ठाणे (पश्चिम), साईनाथ गणपती सरपे (42) निवासी वसई, पालघर और मनोज गोविंद कोल्हा (35) निवासी चिंबीपाड़ा, भिवंडी शामिल हैं।पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता रविनाथ सावजी भुरकूट भिवंडी तालुका के निवासी हैं। 3 अक्टूबर की सुबह उन्होंने देखा कि उनके गांव के पास आरोपी मनोज गोविंद कोल्हा के घर के सामने खुले मैदान में प्रार्थना सभा चल रही थी। इसमें अमेरिकी नागरिक जेम्स वॉटसन की मौजूदगी में करीब 35 लोग प्रार्थना में शामिल थे।आरोप है कि प्रार्थना के दौरान धार्मिक किताबें पढ़कर लोगों को प्रभावित किया जा रहा था। बच्चों को रोककर उनके माथे पर हाथ रखकर जेम्स वॉटसन ने कथित रूप से कहा कि वह दैवी शक्ति से उनका इलाज कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, यह कृत्य गैरकानूनी होने के साथ बच्चों के साथ अनुचित व्यवहार की श्रेणी में आता है।भिवंडी ग्रामीण पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक हर्षवर्धन बर्वे ने बताया कि शुक्रवार को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया है कि जेम्स वॉटसन बिजनेस वीजा पर भारत आया था और यहां अवैध रूप से धर्म प्रचार कर रहा था।

साइको किलर और रेपिस्ट को किराये पर कमरा देने वाले मकान मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर के निजामपुर पुलिस ने उस मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसने दरिंदगी और हत्या जैसे गंभीर अपराध में वांछित फरार आरोपी को बिना किसी दस्तावेज या पुलिस सत्यापन के किराये पर कमरा दिया था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी सलामत अली आलम अंसारी, उम्र 30 वर्ष, मूल निवासी मधेपुर, जिला मधुबनी (बिहार) है। वह पहले एक नाबालिग बच्ची के साथ दरिंदगी और हत्या के मामले में जेल में बंद था। करीब दो महीने पहले उसे कोर्ट में पेशी के लिए लाया गया था, जहां से वह पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया। फरार होने के बाद आरोपी अपने गांव मधेपुर पहुंचा, लेकिन गांववालों ने उसे वहां से भगा दिया। इसके बाद वह भिवंडी आ गया और निजामपुर पुलिस क्षेत्र में किरन शिंगाले नामक व्यक्ति का कमरा किराये से लेकर रहने लगा। बताया गया है कि मकान मालिक ने आरोपी की कोई पहचान पत्र या पुलिस वेरिफिकेशन किए बिना ही उसे किराये पर कमरा दे दिया था। इसी खोली में आरोपी ने कुछ दिन पहले एक छह वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी कर उसकी हत्या कर दी। इस जघन्य अपराध ने पूरे भिवंडी शहर को झकझोर दिया है।

इस मामले में निजामपुरा पुलिस थाने में भा.न्या. संहिता की धारा 223 के तहत मकान मालिक किरन सुधीर शिंगाले के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मकान मालिक ने कानूनी नियमों की अनदेखी करते हुए फरार अपराधी को आश्रय देकर गंभीर लापरवाही की है। पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराटे के मार्गदर्शन में आगे की जांच जारी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति किरायेदार को बिना पहचान सत्यापन और पुलिस को सूचना दिए कमरा देता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल से धक्का-मुक्की, आरोपी ने दी जान से मारने की धमकी

भिवंडी । भिवंडी शहर के आज़मीनगर इलाके में पुलिसकर्मी से धक्का-मुक्की और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।मिली जानकारी के अनुसार, 1 अक्टूबर को सुबह करीब 11:45 बजे बिहार मूल का निवासी सलामत आलम अंसारी (30) ने निजामपुरा पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत आज़मीनगर में गरीबनवाज़ इलेक्ट्रिक एंड इलेक्ट्रॉनिक वर्क्स दुकान के पास गंभीर अपराध किया था। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश पर पुलिस कांस्टेबल उमेश कचरू पलवी (36) आरोपी को गिरफ्तार करने पहुंचे।गिरफ्तारी के दौरान सलामत ने कांस्टेबल उमेश से बहस की, उन्हें मुक्का मारा और जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने सरकारी कामकाज में भी बाधा डालने की कोशिश की।कांस्टेबल उमेश पलवी की शिकायत पर भोईवाड़ा पुलिस ने सलामत आलम अंसारी के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी नोटिस जारी किया है। मामले की जांच पुलिस अधिकारी संतोष ठाकसे कर रहे हैं।

वोट चोर गद्दी छोड़ के समर्थन में भिवंडी कांग्रेस ने शुरू किया हस्ताक्षर अभियान

वेस्ट ब्लॉक में 14 हजार लोगों ने हस्ताक्षर कर किया कांग्रेस अभियान को समर्थन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा वोट चोर गद्दी छोड़ हस्ताक्षर अभियान के अंतर्गत भिवंडी वेस्ट ब्लॉक में आठ विभिन्न जगहों पर हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया,शाम 5:00 बजे से रात 9:00 बजे तक चलने वाले इस हस्ताक्षर अभियान में तकरीबन 14000 लोगों के हस्ताक्षर लिए गए। इस हस्ताक्षर अभियान में अरसी आजमी, नगरसेवक मुख्तार मोहम्मद अली खान, नगर सेवक वसीम अंसारी, नगर सेवक शकील पापा, नगरसेवक हाशिम नोमान खान, नगर सेवक इरफान हदीस अंसारी, नगरसेवक मोहम्मद हुसैन खान, युवा नेता ताहा मोमिन, ने अपने अपने इलाकों में हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया, इस हस्ताक्षर अभियान में भिवंडी कांग्रेस

अध्यक्ष राशिद ताहिर मोमिन, साहब ने सभी वार्डों में जाकर हस्ताक्षर अभियान के कार्यक्रम और सभी नगरसेवकों व पार्टी पदाधिकारीयों की प्रशंसा की, इस अवसर पर उनके साथ भिवंडी कांग्रेस के अल्पसंख्यक अध्यक्ष हाजी नोमान खान,,महासचिव अरशी आजमी, जिला महिला अध्यक्षा रुखसाना कुरैशी, सिद्धेश्वर कामूर्ति, श्री संजू भोई , कामगार सेल अध्यक्ष शब्बीर अंसारी,आमिर नन्हे खान, नागरिक बैंक के चेयरमैन, इलियास अंसारी, अयूब शेख, नौशाद अंसारी, अदनान अंसारी, माज़ फारुकी, समीर सैयद, ब्लॉक अध्यक्ष आतिफ मोमिन,अमरीश भोई,के साथ-साथ सैकड़ो कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

'हर जगह समझी जाती है उम्मीद की भाषा, एक जैसी है लोकतंत्र के लिए लड़ाई', कोलंबिया में राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि उम्मीद की एक सार्वभौमिक भाषा होती है और गरिमा व लोकतंत्र के लिए संघर्ष एक जैसे होता है। राहुल गांधी इस समय कोलंबिया में हैं। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर अपनी यात्रा और वहां के छात्रों के साथ बातचीत की तस्वीरें साझा कीं।

उन्होंने कहा, कोलंबिया के कोमुनास की जीवंत गलियों और मेडेलिन विश्वविद्यालय की कक्षाओं से लेकर पेरू की लिमा छात्रों के साथ दिल से हुई बातचीत तक, दक्षिण अमेरिका की यह यात्रा गर्मजोशी, खुशी और विचारों से भरी रही। तस्वीरों के साथ अपनी पोस्ट में उन्होंने कहा, मैं ऐसे कलाकारों से मिला, जो प्रतिरोध के लिए रंगों का इस्तेमाल करते हैं और उन छात्रों से भी मिला, जो निडर होकर सपने देखते हैं। उनकी रचनात्मकता और हिम्मत वास्तव में प्रेरणादायक थी।

महाद्वीपों के पार हमारा संघर्ष एक जैसाः राहुल गांधी

राहुल गांधी ने लिखा कि हर कदम पर उन्हें यह एहसास होता रहा कि उम्मीद

की भाषा हर जगह समझी जाती है और महाद्वीपों के पार गरिमा और लोकतंत्र के लिए हमारा संघर्ष एक जैसा है। कांग्रेस नेता चार लैटिन अमेरिकी देशों कोलंबिया, ब्राजील, पेरू और चिली के एक हफ्ते से अधिक समय की यात्रा पर हैं।

राहुल गांधी की यात्रा पर कांग्रेस ने क्या कहा

लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में वह अपनी यात्रा के दौरान राजनेताओं छात्रों और व्यापारियों से बातचीत करेंगे। कांग्रेस ने कहा कि वह कई देशों के राष्ट्रपतियों और वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे और लोकतंत्र व रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा, भारत की व्यापार विविधता और साझेदारी बढ़ाने की कोशिशों के तहत राहुल गांधी व्यापारिक नेताओं के साथ अवसरों पर चर्चा करेंगे। वह ब्राजील, कोलंबिया और अन्य जगहों के विश्वविद्यालयों के छात्रों से भी बातचीत करेंगे, ताकि वैश्विक नेताओं की अगली पीढ़ी के साथ संवाद स्थापित किया जा सके।

कांग्रेस ने कहा कि यह महत्वपूर्ण यात्रा ऐतिहासिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। भारत और दक्षिण अमेरिका के लंबे समय से गहरे संबंध रहे हैं। यह संबंध वैश्विक दक्षिण की एकजुटता और बहुध्रुवीय व्यवस्था के लिए मिलकर काम करने पर आधारित हैं। राहुल गांधी का यह प्रयास इस परंपरा को जारी रखते हुए व्यापार, तकनीक, सतत विकास और जन-जन संपर्क में सहयोग के नए रास्ते खोलेगा।

तमिलनाडु खाद्य सुरक्षा विभाग का खुलासा, खांसी की दवा के नमूनों में पाई गई मिलावट

चेन्नई। तमिलनाडु खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि चेन्नई स्थित एक फार्मा कंपनी के परिसर से लिए गए खांसी की दवा के नमूनों में मिलावट पाई गई है। अधिकारी ने कहा कि विभाग ने कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा है और उसे अपने संयंत्र में उत्पादन तत्काल रोकने का निर्देश दिया है।

कंपनी के नमूने हुए फेल

इससे पहले तमिलनाडु सरकार ने 'कोल्ड्रिफ' ब्रांड की खांसी की दवा की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था और बाजार से इसके सभी स्टॉक हटाने के आदेश दिए थे। तमिलनाडु सरकार की ओर से यह कदम मध्य प्रदेश और राजस्थान में 11 बच्चों की मौत के बाद उठाया गया है। इन बच्चों की मौत कथित रूप से इस कफ सिरप के सेवन से हुई है।

अधिकारी ने बताया कि 1 अक्तूबर से इस खांसी की दवा की बिक्री पर पूरे तमिलनाडु में रोक लगा दी गई है। खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने हाल ही में कांचीपुरम जिले के

सुंगुवर्चत्रम स्थित कंपनी के फैक्टरी की जांच की थी और वहां से कफ सिरप के नमूने एकत्र किए थे।

फैक्ट्री में उत्पादन पूरी तरह रुका

शनिवार को जांच परिणामों के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी ने बताया कि जांच में नमूने मिलावटी पाए गए हैं। हमने कंपनी से स्पष्टीकरण मांगा है। अगले आदेश तक कंपनी के दवा का उत्पादन बंद करने के लिए कहा गया है। उन्होंने आगे कहा, कंपनी से संतोषजनक जवाब मिलने तक फैक्ट्री में उत्पादन पूरी तरह रुका रहेगा।

अधिकारी ने बताया कि कंपनी ने यह सिरप राजस्थान, मध्य प्रदेश और पुडुचेरी में सप्लाई किया था। इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में संदिग्ध गुर्दे की बीमारी से बच्चों की मौतें खांसी की दवा में 'ब्रेक ऑयल सॉल्वेंट' की मिलावट के कारण हुई हैं। मध्य प्रदेश में इस घटना में अब तक 9 बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार राजस्थान में भी दो बच्चों की मौत हुई है।

मुजफ्फरनगर में एक लाख रुपये का इनामी कुख्यात अपराधी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना थाना क्षेत्र के जंगल में शुक्रवार रात पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी कुख्यात अपराधी मेहताब मारा गया, जबकि दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि अपराधी की क्षेत्र में मौजूदगी की सूचना के बाद पुलिस टीम उसे पकड़ने के लिए पहुंची थी। उन्होंने बताया कि टीम ने उसे घेर लिया था जब अपराधियों ने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी।

पुलिस की जवाबी गोलीबारी में अपराधी मेहताब को गोली लग गई, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। कुमार ने बताया कि चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उसके पास से एक रिवॉल्वर, एक पिस्तौल और एक मोटरसाइकिल बरामद की।

उन्होंने बताया कि वह जबरन वसूली, डकैती और हत्या सहित 18 से अधिक मामलों में शामिल था, जिसमें बुढ़ाना शहर के एक जौहरी से लूटपाट भी शामिल थी। मुठभेड़ के दौरान उप निरीक्षक ललित कुमार और कांस्टेबल अलीम सहित दो पुलिसकर्मी भी गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

देवरिया में आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत

देवरिया जिले के सलेमपुर में बारिश के दौरान खिड़की के पास बैठ कर मोबाइल देख रहे युवक की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता के

अनुसार, देवरिया जिले के सलेमपुर उपनगर के भरौली वार्ड निवासी पीयूष शर्मा (18) आईटीआई के छात्र थे।

उन्होंने बताया कि शनिवार की सुबह बारिश के बीच पीयूष घर की खिड़की के पास बैठकर मोबाइल देख रहे थे और अचानक आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। परिजन उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर ले गये, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

जगदीश विश्वकर्मा बने गुजरात भाजपा के नए अध्यक्ष, ओबीसी वर्ग को लुभाने की रणनीति

अहमदाबाद। भाजपा ने जगदीश विश्वकर्मा को गुजरात भाजपा का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। जगदीश विश्वकर्मा ओबीसी वर्ग से आते हैं। ऐसे में उन्हें राज्य इकाई की कमान देने को भाजपा द्वारा ओबीसी वर्ग को लुभाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। गुजरात भाजपा अध्यक्ष चुनाव के लिए पार्टी के चुनाव अधिकारी और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने गांधीनगर स्थित पार्टी मुख्यालय 'कमलम' में राज्य के वरिष्ठ नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक में विश्वकर्मा के नाम की आधिकारिक घोषणा की।

सीआर पाटिल की जगह लेंगे जगदीश विश्वकर्मा

गुजरात सरकार के मंत्री और ओबीसी नेता जगदीश विश्वकर्मा केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल की जगह लेंगे। सीआर पाटिल का तीन साल का कार्यकाल जुलाई 2023 में समाप्त हो गया था, लेकिन वे पद पर बने हुए थे। अहमदाबाद की निकोल सीट से तीन बार विधायक रहे विश्वकर्मा शुक्रवार को इस पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। विश्वकर्मा वर्तमान में गुजरात सरकार में सहकारिता, नमक उद्योग, एमएसएमई, कुटीर, खादी और

ग्रामीण उद्योग राज्य मंत्री हैं। जगदीश विश्वकर्मा इससे पहले भाजपा की अहमदाबाद शहर इकाई के अध्यक्ष के रूप में काम कर चुके हैं। विश्वकर्मा ने गुजरात भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

पाटीदार आंदोलन का केंद्र रहे निकोल से विधायक हैं विश्वकर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाटीदार आरक्षण आंदोलन के 10 साल पूरे होने के मौके पर बीती 25 अगस्त को अहमदाबाद के निकोल में एक रैली को संबोधित किया था। अब उस रैली के करीब एक महीने बाद निकोल से विधायक जगदीश विश्वकर्मा को गुजरात भाजपा का नया अध्यक्ष चुना गया है। निकोल एक पाटीदार बहुल इलाका है और 2015 के आरक्षण आंदोलन के दौरान निकोल में हिंसा हुई थी।

अमित शाह के करीबी हैं विश्वकर्मा

जगदीश विश्वकर्मा को केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह का बेहद करीबी माना जाता है। विश्वकर्मा, जिन्हें 'जगदीश पांचाल' के नाम से भी जाना जाता है, काशीराम राणा के बाद गुजरात भाजपा अध्यक्ष बनने वाले केवल दूसरे ओबीसी नेता हैं। वह अहमदाबाद शहर से राज्य में भाजपा का शीर्ष पद संभालने वाले पहले पार्टी नेता भी होंगे। उनकी नियुक्ति को भाजपा द्वारा ओबीसी मतदाताओं को लुभाने के तौर पर देखी जा रही है। यह पार्टी द्वारा मध्य और उत्तरी गुजरात में पिछड़े वर्गों को अपने पक्ष में करने की कोशिश है। संयोग से, कांग्रेस ने हाल ही में मध्य गुजरात के ओबीसी नेता अमित चावड़ा को अपना राज्य अध्यक्ष नियुक्त किया है।

मनोरंजन

एटली ने जवान की शूटिंग के दौरान बताया था कि शाहरुख ख़ान को मिलेगा राष्ट्रीय पुरस्कार, अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा पुष्टि

मुंबईः दक्षिण भारतीय फिल्म निर्देशक एटली ने फिल्म जवान की शूटिंग के दौरान ही बता दिया था कि शाहरुख ख़ान को इस फिल्म के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा। वर्ष 2023 में प्रदर्शित एटली के निर्देशन में बनी सुपरहिट फिल्म जवान के लिये शाहरूख खान को हाल ही में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री

सान्या मल्होत्रा ने बताया कि जवान की शूटिंग के दौरान एटली ने निडरता से भविष्यवाणी की थी कि शाहरुख ख़ान को उनके प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलेगा। उन्होंने कहा, 'जब हम जवान की शूटिंग कर रहे थे, एटली सर पहले ही बता चुके थे कि शाहरुख ख़ान राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले हैं। वह यह इतनी आत्मविश्वास के साथ कहते थे, और अब देखो उन्हें। उन्होंने नेशनल अवार्ड जीत लिया। वह वास्तव में कमाल के हैं।' यह भविष्यवाणी अब इतिहास बन चुकी है। शाहरुख ख़ान ने अपने 30 साल के करियर में आखिरकार प्रतिष्ठित नेशनल अवार्ड जीता, जो सिर्फ़ उनके लिए ही नहीं बल्कि एटली के लिए भी एक मील का पत्थर है, जिनकी निर्देशन और कहानी कहने की क्षमता ने शाहरुख के सबसे यादगार प्रदर्शन को परिपूर्ण मंच प्रदान किया।

मेरी किशोर बेटी से आपत्तिजनक फोटो मांगी गई : अक्षय कुमार!

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने महाराष्ट्र पुलिस द्वारा 'साइबर जागरूकता माह अक्टूबर 2025' के उद्घाटन के दौरान शुक्रवार को उस समय अपनी किशोर बेटी से जुड़ी एक सच्ची घटना को साझा करते हुए सबको चौंका दिया जब उन्होंने बताया कि उनकी बेटी से ऑनलाइन गेम खेलते समय नग्न फोटो मांगी गई। साइबर जागरूकता माह अक्टूबर 2025 का उद्घाटन शुक्रवार को पुलिस महानिदेशक कार्यालय में हुआ। साइबर अपराध के बढ़ते खतरों के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्रफडणवीस, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार, अभिनेत्री रानी मुखर्जी और अन्य लोग शामिल हुए।

श्री अक्षय कुमार ने इस अनुभव को साझा करते हुए बताया कि कैसे कुछ महीने पहले ऑनलाइन वीडियो गेम खेलते समय उनकी बेटी का सामना एक अनजान व्यक्ति से हुआ, जिसने शुरुआत में उसे दोस्ताना और उत्साहजनक संदेश भेजे। इस गेम ने उसे अजनबियों के साथ खेलने की अनुमति दी। दूसरी तरफ वाले व्यक्ति ने 'धन्यवाद', 'शाबाश' और 'शानदार' जैसे संदेशों से शुरुआत की। वह एक अच्छा इंसान लग रहा था। कुछ देर बाद उसने पूछा कि वह पुरुष है या महिला? जब उसने अपने को 'महिला' बताया, तो बातचीत का लहजा एकदम बदल गया।

उन्होंने खुलासा किया कि फिर उस अजनबी ने अचानक उनकी बेटी से नग्न फोटो भेजने को कहा। अभिनेता कुमार ने कहा, 'मेरी बेटी ने तुरंत गेम बंद कर दिया और मेरी पत्नी को सूचित किया। शुक्र है कि उसने जो हुआ उसे साझा करने में संकोच नहीं किया, जो सबसे अच्छी बात थी।' श्री कुमार ने कहा कि इस तरह के तरीके साइबर अपराध के एक बड़े पैटर्न का हिस्सा हैं। जहां शिकारी सबसे पहले आप पर विश्वास जताते हैं और फिर नाबालिगों का शोषण करने की कोशिश करते हैं, जिससे अक्सर जबरन वसूली से लेकर आत्महत्या तक के दुखद मामले सामने आते हैं।

दिग्गज अभिनेत्री संध्या शांताराम का निधन! उनकी फिल्म नवरंग का गीत आरे जा रे हट नटखट

मुंबई। 'पिंजरा' मराठी सिनेमा की एक प्रतिष्ठित और अविस्मरणीय फिल्म मानी जाती है। इस फिल्म में अपने आकर्षक व्यक्तित्व और अद्भुत नृत्य कौशल से दर्शकों का दिल जीतने वाली दिग्गज अभिनेत्री संध्या शांताराम का निधन हो गया है। वह 87 वर्ष की थीं। भाजपा नेता और मंत्री आशीष शेलार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करके इस बात की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, 'भावुक श्रद्धांजलि! फिल्म 'पिंजरा' की प्रसिद्ध अभिनेत्री संध्या शांताराम जी के निधन की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने मराठी और हिंदी सिनेमा में अपने अद्भुत अभिनय और नृत्य कौशल से दर्शकों पर एक अलग छाप छोड़ी। 'झनक जनक पायल बाजे', 'दो आँखें बारह हाथ' और खासकर 'पिंजरा' फिल्मों में उनकी प्रतिष्ठित भूमिकाएँ दर्शकों के जेहन में हमेशा याद रहेंगी।' ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें! अभिनेत्री के निधन से इंडस्ट्री में एक बहुत बड़ा शून्य पैदा हो गया है।

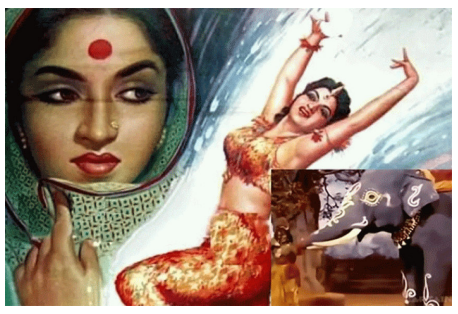

संध्या शांताराम का असली नाम विजया देशमुख था

अभिनेत्री संध्या शांताराम ने 1959 में रिलीज़ हुई वी. शांताराम की फ़िल्म 'नवरंग' में अपने अद्भुत अभिनय और नृत्य कौशल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था। उन पर आधारित गीत 'आरे जा रे हट नटखट' आज भी उतना ही लोकप्रिय है।

संध्या शांताराम का असली नाम विजया देशमुख था। इस शास्त्रीय नृत्य प्रशिक्षण कोरियोग्राफर नहीं था, सभी स्टेप्स संध्या ने द्वारा रचे थे।

शूटिंग से पहले जानवरों से दोस्ती

इस गीत को अनोखा बनाने के लिए, शांताराम सेट पर असली हाथी और घोड़े लाए थे। हालाँकि ऐसे माहौल में नृत्य करना बेहद खतरनाक था, फिर भी संध्या ने निडर होकर नृत्य किया। यह जानते हुए भी कि शोर और भीड़ से जानवर परेशान हो सकते हैं, उन्होंने बिना किसी डर के शूटिंग की। उन्होंने बॉडी डबल का इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया और शूटिंग से पहले जानवरों से दोस्ती की, उन्हें केले और नारियल खिलाए और अपने हाथों से पानी पिलाया। उनकी लगन और हिम्मत देखकर वी. शांताराम प्रभावित हुए। विवाहित होने के बावजूद, शांताराम संध्या के उज्ज्वल व्यक्तित्व और प्रखर प्रतिभा के कायल हो गए। उसके बाद, संध्या ने शांताराम की कई मशहूर फिल्मों में काम किया। 'झनक जनक पायल बाजे', 'दो आंखें बारह हाथ', 'नवरंग', 'पिंजरा' और 'अमर भूपाली' जैसी फिल्में उनके और शांताराम के कलात्मक सहयोग के प्रतीक बन गईं।

निषाद और सिमरन ने जीता गोल्ड, वर्ल्ड पैरा चैंपियनशिप में भारत चौथे स्थान पर

नई दिल्ली। वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। निषाद कुमार ने ऊंची कूद और सिमरन शर्मा ने 100 मीटर दौड़ में अपना पहला वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप गोल्ड पदक जीता। भारत शुक्रवार को चार पदक जीतकर चौथे स्थान पर पहुंच गया।

प्रीति पाल और परदीप कुमार ने 200 मीटर और चक्का फेंक में ब्रॉन्ज मेडल जीता। इन चार पदकों की बदौलत भारत तालिका में सातवें स्थान से तीन पायदान ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गया। भारत के अब कुल 6 गोल्ड, पांच सिल्वर और चार ब्रॉन्ज पदक हैं। प्रतियोगिता में अब दो दिन बचे हैं और मेजबान कोबे 2024 में हासिल किए गए अपने सर्वश्रेष्ठ 17 पदकों के प्रदर्शन को और बेहतर करने की ओर बढ़ रही है। ब्राजील 12 गोल्ड, 18 सिल्वर और सात ब्रॉन्ज पदकों के साथ तालिका में टॉप पर बना हुआ है।

उसके बाद चीन औ? पोलैंड काबिज हैं।

दिल्ली की सिमरन ने महिलाओं की 100 मीटर टी12 स्पर्धा के फाइनल में 11.95 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय से भारत के लिए दिन का पहला गोल्ड मेडल जीता। ये इस स्पर्धा का उनका पहला खिताब था, उन्होंने जापान में हुए पिछले पैरालंपिक खेलों में 200 मीटर स्पर्धा में गोल्ड और 2024 पैरालंपिक में कांस्य पदक जीता था। वह यहां भी 200 मीटर स्पर्धा में हिस्सा लेंगी।

जबकि निषाद ने अपने 26वें जन्मदिन पर पुरुषों की ऊंची कूद टी47 स्पर्धा जीती। उन्होंने 2.14 मीटर की छलांग लगाकर एशियाई रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता। ये पैरालंपिक या वर्ल्ड पैरा चैंपियनशिप में उनका पहला गोल्ड मेडल भी था। उन्होंने टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में कांस्य पदक और 2023 चरण में सिल्वर मेडल जीता।

वर्ल्ड कप में 20 साल बाद भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत, देखें दोनों के आंकडे

नई दिल्ली। आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में 5 अक्तूबर, रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत होगी। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने जहां श्रीलंका को हराकर अपना विजयी आगाज किया वहीं पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। वहीं अब कोलंबो में इस हाईवोल्टेज मुकाबले का हर किसी को इंतजार है। खास बात ये है कि महिला वनडे वर्ल्ड कप में ये सिर्फ दूसरा मौका है जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। आखिरी बार 2005 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें आपस में भिड़ी थीं।

वहीं वनडे क्रिकेट में भारतीय महिला टीम पाकिस्तान के खिलाफ कभी नहीं हारी है। दोनों टीमें कुल 11 बार वनडे मुकाबले में भिड़ी हैं। सभी 11 मैच भारतीय महिला टीम ने अपने नाम किए हैं। आखिरी बार दोनों टीमें 2022 में वनडे मैच खेलने के लिए आमने-सामने थीं। उस मैच में भारत ने पड़ोसी देश को 107 रनों से हराकर करारी शिकस्त दी थी। वहीं वर्ल्ड कप की बात करें तो भारतीय टीम ने 2005 में एकमात्र वर्ल्ड कप मुकाबला पाकिस्तान से खेला है। कराची में हुए उस मुकाबले में भारत ने 193 रनों से बेहतरीन जीत दर्ज की थी। अब वर्ल्ड कप में दूसरी बार और ओवरऑल वनडे में 12वीं बार दोनों टीमें आमने-सामने होंगी।

भारतीय टीम की बात करें तो टीम इस समय बेहतरीन फॉर्म में है। हालांकि, पहले मैच में स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला नहीं चला था। लेकिन वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया जैसे खतरनाक टीम को भारत ने नाकों चने चबवा दिए थे। स्मृति ने बैक टू बैक दो ताबड़तोड़ ऐतिहासिक शतकीय पारियां खेली थीं। जबकि पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश के हाथों शर्मनाक हार झेलकर आई थी। पाकिस्तान की टीम पहले मुकाबले में महज 129 रन पर ही ढेर हो गई थी। ऐसे में भारतीय टीम का पलड़ा इस मुकाबले में बिल्कुल भारी रहने का आसार हैं।

विश्व चैंपियनशिप में मीराबाई चानू का शानदार प्रदर्शन, भारत को दिलाया एक और रजत पदक

फॉरडे (नॉर्वे)। भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर और ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने 2025 विश्व वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 किग्रा वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। चानू ने कुल 199 किग्रा भार उठाया, जिसमें स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 115 किग्रा शामिल था। यह उनके तीन साल बाद विश्व मंच पर लौटने का प्रतीक है।

स्नैच में चानू ने 84 किग्रा सफलतापूर्वक उठाया, लेकिन 87 किग्रा के अगले दो प्रयासों में वे सफल नहीं हो सकीं और इस खंड में कांस्य पदक हासिल किया। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने क्रमशः 109, 112 और 115 किग्रा उठाया। अंतिम प्रयास की सफलता ने उन्हें रजत पदक दिलाया और उनके सर्वोत्तम प्रदर्शन को दोहराया।

पदक तालिका में उत्तर कोरिया की री सॉन्ग-गुम ने 213 किग्रा (91ह122) के साथ स्वर्ण पदक और क्लीन एंड जर्क व कुल भार में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। थाईलैंड की थान्यातॉन सुकचारोएन ने 198 किग्रा के साथ कांस्य पदक जीता। यह मीराबाई का तीसरा विश्व चैंपियनशिप पदक है; उन्होंने 2017 में स्वर्ण और 2022 में रजत पदक जीते थे। उनका 115 किग्रा का क्लीन एंड जर्क प्रदर्शन टोक्यो ओलंपिक में किए गए सर्वश्रेष्ठ भार के बराबर है। इस जीत से भारत को तीन साल बाद विश्व चैंपियनशिप में पदक मिला और अब तक इस टूर्नामेंट में भारत के सभी 18 पदक महिलाओं ने ही हासिल किए हैं।

मीराबाई के साथ भारतीय टीम में कोयल बर, बिंद्यारानी देवी, निरुपमा देवी, हरजिंदर कौर, वंशीता वर्मा और मेहक शर्मा भी शामिल हैं। इनमें से कई खिलाड़ियों ने पहले ही कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में पदक जीते हैं।

पेरिस 2024 ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने और चोटों से जूझने के बाद यह रजत पदक मीराबाई के करियर में महत्वपूर्ण पुनरुत्थान का संकेत है। उनके इस प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे विश्व स्तरीय वेटलिफ्टिंग में भारत का गौरव बढ़ाती रहती हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, शुभमन गिल बने कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। ये ऐलान टी20 और वनडे सीरीज के लिए किया गया है। टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे टीम का हिस्सा हैं। जबकि रोहित शर्मा से वनडे की कप्तानी छीनकर शुभमन गिल को वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है। वहीं गिल अब टेस्ट के बाद वनडे के कप्तान भी बनाए गए हैं जबकि टी20 क्रिकेट में वह टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं।

बता दें कि, रोहित शर्मा से वनडे की कप्तान छीनकर शुभमन गिल को वनडे का कप्तान बनाने के पीछे वनडे वर्ल्ड कप 2027 कारण है।

रोहित शर्मा ने 56 वनडे मैचों में भारत कप्तानी की, जिसमें दमदार रिकॉर्ड रहा है। उनकी अगुवाई में भारतीय टीम ने 42 वनडे जीते और सिर्फ 12 बार हार झेली है। उनके नेतृत्व में भारत ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचा था। जहां ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार मिली। रोहित और कोहली 9 महीने बाद भारत के लिए खेलेंगे। दोनों पिछली बार मार्च में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेले थे। रोहित की अगुवाई में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी।

फिलहाल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीमित ओवर सीरीज की शुरुआत 19 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। भारत को ऑस्ट्रेलिया में तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलने हैं। टी20 सीरीज का आगाज 29 अक्टूबर से होगा। वहीं जसप्रीत बुमराह को वनडे सीरीज से आराम दिया गया है जबकि टी20 सीरीज में उतरेंगे।

दूसरी तरफ हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण भारतीय स्क्वॉड में शामिल नहीं है। उन्हें एशिया कप के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या हुई थी। वहीं विकेटकीपर ऋषभ पंत अनफिट होने के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जाएंगे। इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज के दौरान वह चोटिल हो गए थे।

भारतीय वनडे टीम- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल विकेटकीपर, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हार्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल।

भारतीय टी20 टीम- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

सेबी ने आईपीओ राशि में हेराफेरी के लिए सिनॉप्टिक्स टेक, उसके प्रवर्तकों पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने सिनॉप्टिक्स टेक्नोलॉजीज और उसके प्रवर्तकों पर आईपीओ की राशि में कथित हेराफेरी के मामले में जांच पूरी होने तक प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कंपनी के प्रवर्तक जतिन शाह, जगमोहन मणिलाल शाह और जानवी जतिन शाह को भी सेबी ने प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश सी वार्ष्णेय ने आदेश में कहा, "मैं... छह मई, 2025 के अंतरिम आदेश के माध्यम से जारी निर्देशों को बरकरार रखता हूं।"

इस वर्ष मई में सेबी ने एक अंतरिम आदेश पारित किया था और आईपीओ की आय की हेराफेरी के आरोपों के बाद सिनॉप्टिक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एसटीएल) और उसके प्रवर्तकों को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। अंतरिम आदेश में सेबी ने कहा, जांच से पता चला है कि कंपनी (एसटीएल) और प्रमुख प्रबंधक एफओसीएल (फर्स्ट ओवरसीज कैपिटल लिमिटेड) ने आईपीओ से जुटाई गई धनराशि को हड़पने की एक सुनियोजित योजना बनाई थी।

अहमदाबाद टेस्ट में भारत ने वेस्टइंडीड को 140 रनों से चटाई धूल, जडेजा ने बल्ले के बाद गेंद से बरपाया कहर

अहमदाबाद। अहमदाबाद में खेले गए भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने 140 रन से विजयी प्राप्त की। भारत द्वारा पहली पारी में हासिल की गई 286 रन की बढ़त के बाद वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 146 रन ही बना पाई और ढेर हो गई। इसके साथ ही भारत ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 की अहम बढ़त बना ली है। वेस्टइंडीज ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 162 रन बनाए। इस दौरान भारतीय गेंदबाजों की तरफ से बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला। मोहम्मद सिराज ने सबसे ज्यादा 4 विकेट अपने नाम किए। वहीं जवाब में भारत ने केएल राहुल (100), ध्रुव जुरेल (125) और रवींद्र जडेजा (104ङ) के शतकों की बदौलत 5 विकेट के नुकसान पर 448 रन बनाते हुए 286 रन की बढ़त हासिल की। इसके बाद तीसरे दिन वेस्टइंडीज की दूसरी पारी भी केवल 146 रन पर सिमट गई। भारत से जडेजा ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके।

सिराज ने इस मैच में 61 रन देकर 7 विकेट अपने नाम किए। ये उनका भारतीय सरजमीं पर मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी

प्रदर्शन है। उन्होंने वेस्टइंडीज की पहली पारी में तेजनाराण चंद्रपॉल (0), एलिन ऐथानेज (12), ब्रैंडन किंग (13) और कप्तान रोस्टन चेज (24) को आउट कर 40 रन देते हुए ये 4 विकेट लिए थे। इसी तरह उन्होंने दूसरी पारी में चंद्रपॉल (8), जस्टिन ग्रीव्स (25) और जोमेल वारिकेन (0) को आउट करते हुए 31 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए।

नीतीश कुमार रेड्डी को पहली बार वनडे टीम में मिली जगह, रविंद्र जडेजा को किया बाहर?

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में नीतीश कुमार रेड्डी को मौका मिला है। ये पहली बार है जब नीतीश को वनडे टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, टीम के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को टीम में शामिल नहीं किया गया है। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की वनडे और टी20 टीम का ऐलान हुआ है। जहां भारतीय टीम पहले 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी और फिर 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में रविंद्र जडेजा को जगह नहीं दी गई तो वहीं नीतीश कुमार रेड्डी को वनडे टीम में क्यों जगह दी गई इसके बारे में चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने बताया। जडेजा के बारे में अगरकर ने कहा कि वह भारत की वनडे स्कीम ऑफ थिंग्स में हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की कंडीशन को देखते हुए उन्हें फिलहाल टीम में जगह नहीं दी गई है।

अगरकर ने कहा कि हम वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तरफ भी देख रहे हैं। टीम में अभी अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर भी हैं जिन्हें हम भविष्य के खिलाड़ी के रूप में देख रहे हैं इसकी वजह से जडेजा के नाम पर विचार नहीं किया है। नितीश कुमार रेड्डी के बारे में अजीत अगरकर ने कहा कि हमने उन्हें टेस्ट क्रिकेट में देखा है और हम उन्हें व्हाइट बॉल क्रिकेट में भी देखना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय वनडे टीम में हार्दिक पंड्या को इंजरी के कारण शामिल नहीं किया गया है। उनकी जगह नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में मौका मिला है। जो टीम के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभरेंगे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भी नीतीश कुमार रेड्डी को मौका मिला है।

सम्राट चौधरी का ऐलान, मुज़फ्फरपुर एयरपोर्ट का टेंडर जारी, 11 माह में होगा निर्माण

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने बताया कि मुज़फ्फरपुर हवाई अड्डे के विकास और उन्नयन की एक महत्वपूर्ण परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना के तहत मौजूदा हवाई अड्डे को कोड-2ँ श्रेणी के विमानों के संचालन योग्य बनाया जाएगा। इसके अंतर्गत प्री-फैब स्टील संरचना आधारित टर्मिनल भवन, प्री-इंजीनियर्ड एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर, प्री-इंजीनियर्ड अग्निशमन केंद्र तथा अन्य सहायक भवन और सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा।

यह संपूर्ण कार्य इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड पर संपन्न किया जाएगा। परियोजना की अनुमानित लागत 28.58 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। निर्माण कार्य की अवधि 11 माह तय की गई है, एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने इस परियोजना के लिए ऑनलाइन ई-टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है।

श्री चौधरी ने कहा- मुज़फ्फरपुर हवाई अड्डे का उन्नयन उत्तर बिहार में हवाई सेवा का विस्तार है। इससे क्षेत्रीय संपर्क, निवेश और पर्यटन को नई गति मिलेगी। साथ ही उत्तर बिहार के लोगों को आधुनिक और बेहतर हवाई सेवा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। यह कदम बिहार को विमानन क्षेत्र में नई ऊंचाई प्रदान करेगा और राज्य के आर्थिक तथा सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उपमुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा- केंद्र की मोदी और प्रदेश में नीतीश कुमार के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार, बिहार में हवाई सेवा को विश्वस्तरीय बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। हाल में ही पटना के लोक नायक जयप्रकाश नारायण एयरपोर्ट का जहां कायाकल्प हुआ है, वहीं गया एयरपोर्ट को भी अपग्रेड किया गया है। सूबे में उड़ान योजना के तहत दरभंगा और पूर्णिया एयरपोर्ट से देश के अलग-अलग हिस्सों के लिए हवाई सेवा का लाभ बिहार के लोगों को मिल रहा है। और अब इसी कड़ी में मुज़फ्फरपुर एयरपोर्ट का विकास इसे नई उंचाई पर पहुंचाएगा।

आरबीआई ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बरकरार रखीः रिपोर्ट

नई दिल्ली। क्रिसिल इंटेलिजेंस की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बरकरार रखी है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मुद्रास्फीति के अपने पूर्वानुमान में भारी कटौती की है।

केंद्रीय बैंक ने एक अक्टूबर को शुल्क अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए अपनी नीतिगत ब्याज दर को लगातार दूसरी बार 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा था। रिपोर्ट में कहा गया कि एमपीसी ने स्वीकार किया है कि अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के कारण चालू वित्त वर्ष (2025-26) की दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का जोखिम रहेगा।

क्रिसिल इंटेलिजेंस ने कहा कि जीएसटी दरों में हालिया कमी से वृद्धि पर शुल्क का समग्र प्रभाव आंशिक रूप से कम हो जाएगा।

रिपोर्ट में कहा गया, कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्र अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से सबसे अधिक संवेदनशील हैं और उन्हें नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है।

चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति कम चिंता का विषय होने के साथ, अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करता है, तो आरबीआई के लिए भी ऐसा करने की गुंजाइश बनेगी। आरबीआई ने फरवरी 2025 से नीतिगत दर में एक प्रतिशत की कटौती की है।

चीन से सोलर सेल के आयात पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने चीन से आयात होने वाले सोलर सेल पर तीन साल के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। इसका उद्देश्य घरेलू उद्योगों को सस्ते आयात से बचाना है।

व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने अपने अंतिम निष्कर्ष में कहा कि सोलर सेल, चाहे मॉड्यूल में असेम्बल हों या पैनलों से निर्मित हों, भारत में सामान्य मूल्य से कम कीमत पर आयात किए गए हैं, जिससे डंपिंग हुई है।

डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा कि सोलर सेल के आयात पर तीन साल के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा की जाती है। यह शुल्क माल के सीआईएफ मूल्य (लागत, बीमा, ढुलाई) के प्रतिशत के रूप में लगेगा। कुछ चीनी कंपनियों के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क 23 प्रतिशत और कुछ के लिए 30 प्रतिशत सीआईएफ मूल्य के हिसाब से लगाने की सिफारिश की गई है। हालांकि इस बारे में अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय ही लेगा। इसके साथ ही डीजीटीआर ने चिली एवं चीन से आयातित वार्जिन मल्टी-लेयर पेपरबोड...'तुर्की, रूस, अमेरिका एवं ईरान से सोडा ऐश और वियतनाम से कैल्शियम कार्बोनेट फिलर मास्टरबैच के आयात पर भी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। भारत ने पहले भी कई उत्पादों पर चीन सहित अन्य देशों से सस्ते आयातों को रोकने के लिए यह शुल्क लगाया है।

रूस के हमले में उड़े पैसेंजर ट्रेन के परखच्चे, भड़के जेलेंस्की

राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के सुमी क्षेत्र में एक रेलवे स्टेशन पर रूसी ड्रोन हमले में कम से कम 30 लोग घायल हो गए। एक पोस्ट में जेलेंस्की ने लिखा कि सूमी क्षेत्र के शोस्तका में रेलवे स्टेशन पर एक क्रूर रूसी ड्रोन हमला हुआ है। सभी आपातकालीन सेवाएँ पहले ही घटनास्थल पर पहुँच चुकी हैं और लोगों की मदद शुरू कर दी है। घायलों के बारे में पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। अब तक, कम से कम 30 लोगों के हताहत होने की जानकारी है। प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि उक्रज़ालिज़्नित्सिया के कर्मचारी और यात्री दोनों ही हमले वाली जगह पर मौजूद थे।

क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह ह्रीहोरोव ने पुष्टि की कि कीव जाने वाली एक ट्रेन को निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक और बचाव दल घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। ज़ेलेंस्की और ह्रीहोरोव द्वारा साझा की गई तस्वीरों में एक यात्री डिब्बे में आग लगी हुई दिखाई दे रही है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व ण्श फारूक अब्दुल्ला अस्पताल में भर्ती, पेट में संक्रमण के बाद इलाज जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को शनिवार को पेट में संक्रमण के बाद श्रीनगर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी पार्टी के नेताओं ने यह जानकारी दी। उनके अनुसार, 87 वर्षीय अब्दुल्ला को इस सप्ताह की शुरुआत में यह संक्रमण हुआ था और उन्हें इलाज के लिए श्रीनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के दो बार मुख्यमंत्री रहे अब्दुल्ला पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थे, लेकिन जल्द ही उन्हें छुट्टी मिलने की संभावना है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक नेता ने कहा कि वह (अब्दुल्ला) पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं थे, लेकिन अब उनकी हालत बेहतर हो रही है। उन्हें आज या कल छुट्टी मिलने की संभावना है। हालाँकि पिछले कुछ दिनों से फ़ारूक़ की तबियत ठीक नहीं है, फिर भी वे राजनीति में सक्रिय हैं। हाल ही में, उन्होंने पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को पुनर्जीवित करने के अपने बेटे उमर अब्दुल्ला की सरकार के प्रयासों की सराहना की। इस आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें ज़्यादातर पर्यटक थे। इस हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक सैन्य संघर्ष चला था। वरिष्ठ अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) में और ज़्यादा पर्यटन स्थलों को फिर से खोलने का स्वागत किया।

पाकिस्तान उच्चायोग का वीज़ा डेस्क बना जासूसी का अड्डा, हरियाणा से गिरफ्तारी ने खोली आईएसआई साजिश की पोल!

चड़ीगढ़। हरियाणा के एक सिविल इंजीनियर वसीम अकरम की गिरफ्तारी से भ्रष्टाचार और जासूसी के लिए पाकिस्तान उच्चायोग के वीजा डेस्क के दुरुपयोग का एक और मामला उजागर हुआ है। हरियाणा के पलवल निवासी अकरम को मंगलवार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (ओएसए) की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। सूत्रों के अनुसार वह कथित तौर पर पाकिस्तान उच्चायोग के अधिकारी जफर उर्फ ??मुजम्मिल हुसैन के लिए डेटा सप्लायर के रूप में काम करता था। कसूर में अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए पाकिस्तान जाने हेतु वीज़ा के लिए आवेदन करते समय उसकी मुलाकात उच्चायोग के अधिकारी से हुई थी। शुरुआत में वीज़ा आवेदन अस्वीकार कर दिया गया था, लेकिन बाद में सिविल इंजीनियर द्वारा ?20,000 की रिश्वत देने के बाद वीज़ा स्वीकृत हो गया। जाँचकर्ताओं ने बताया कि इसके बाद अकरम मई 2022 में कसूर गया।

पाकिस्तान उच्चायोग का अधिकारी जफर कथित तौर पर पाकिस्तान से लौटने के बाद भी अकरम के साथ व्हाट्सएप के ज़रिए संपर्क में रहा। पलवल निवासी अकरम ने कमीशन का वादा करके वीज़ा सुविधा कोष के लिए अपना बैंक खाता उपलब्ध कराया था। अकरम के खाते में कथित तौर पर लगभग ?5 लाख ट्रांसफर किए गए, और बिचौलियों के ज़रिए और भी नकद भुगतान किया गया। उसने कथित तौर पर उच्चायोग के अधिकारी को ?2.3 लाख दिए, जिसमें ?1.5 लाख नकद शामिल थे। उसने अधिकारी को सिम कार्ड भी मुहैया कराए।

अकरम पर ओटीपी मुहैया कराने और भारतीय सेना के जवानों की जानकारी अपने कथित हैंडलर के साथ साझा करने का भी आरोप है। मामले से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि पलवल मॉड्यूल मलेरकोटला और नूह में पहले उजागर हुए उसी पैटर्न से मेल खाता है। मलेरकोटला मामले का भंडाफोड़ इस साल की शुरुआत में ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुआ था, जिसमें दानिश उर्फ एहसान उर रहीम नाम के एक अन्य पाकिस्तानी अधिकारी ने कथित तौर पर स्थानीय लोगों को वीज़ा दिलाने का वादा करके जासूसी के लिए उनका इस्तेमाल किया था। ऐसा आरोप है कि कथित भर्ती करने वालों को संवेदनशील रक्षा संबंधी जानकारी के बदले में छोटे यूपीआई ट्रांसफर मिलते थे।

पाकिस्तान में रास्ते में पड़े बम को खिलौना समझकर ले आया चौथी कक्षा का छात्र, और फिर हुआ...

खैबर। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक कक्षा के अंदर हुए बम विस्फोट में कम से कम चार स्कूली बच्चे घायल हो गए, स्थानीय पुलिस ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। यह घटना शुक्रवार को खैबर जिले के जमरूद तहसील में हुई, जो अफगानिस्तान की सीमा से सटा है। स्कूल प्रशासन के अनुसार, चौथी कक्षा के एक छात्र को स्कूल जाते समय एक खिलौना मिला। हालाँकि, वह वस्तु एक बिना फटा मोर्टार शेल था, जिसे इस क्षेत्र में आमतौर पर खिलौना बम कहा जाता है। वह उसे अपनी कक्षा में ले गया, जहाँ वह फट गया और चार छात्र घायल हो गए। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे उपकरण अफ़ग़ान सीमा पर दशकों से चल रहे संघर्ष और आतंकवादी गतिविधियों के अवशेष हैं, और अक्सर बच्चे इन्हें हानिरहित खिलौने समझ लेते हैं। पुलिस टीमों ने जाँच शुरू कर दी है और अन्य छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी है।

जमरूद की घटना पाकिस्तान में हाल ही में हुए बम विस्फोटों की श्रृंखला के बीच हुई है। 30 सितंबर को, बलूचिस्तान के क्वेटा में अर्धसैनिक बल फ्रंटियर कॉर्प्स के मुख्यालय के बाहर एक शक्तिशाली कार बम विस्फोट में कम से कम 10 लोग मारे गए और 30 से ज़्यादा घायल हो गए। विस्फोट के बाद भारी गोलीबारी हुई, जिससे शहर में दहशत फैल गई। इससे पहले, 4 सितंबर को, एक आत्मघाती हमलावर ने क्वेटा में बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएनपी) की एक रैली को निशाना बनाया था। स्टेडियम के पार्किंग क्षेत्र के पास हुए इस विस्फोट में 15 लोग मारे गए और 30 से ज़्यादा घायल हो गए। बाद में इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह ने इस हमले की ज़िम्मेदारी ली।

डलास के गैस स्टेशन पर तेलंगाना के छात्र को गोली मारी, पार्ट-टाइम काम के दौरान हत्या, परिवार में मातम

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद निवासी एक भारतीय छात्र की शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) अमेरिका के उत्तरी टेक्सास के डलास स्थित एक गैस स्टेशन पर अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। छात्र की पहचान 28 वर्षीय चंद्रशेखर पोल के रूप में हुई है, जो डलास स्थित गैस स्टेशन पर अंशकालिक कर्मचारी के रूप में काम करता था। हैदराबाद के लाल बहादुर नगर निवासी पोल ने बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस) में स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी। बाद में वे उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चले गए। इस घटना से उनके परिवार के सदस्य सदमे में हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, पोल को सीने में दो गोलियां मारी गईं और अस्पताल ले जाने से पहले ही उनकी मौत हो गई। डलास पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जाँच जारी है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है। एक्स (जिसे पहले ट्विटर कहा जाता था) पर एक पोस्ट में कांग्रेसी मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार पोल के परिवार के साथ खड़ी है और 28 वर्षीय पोल के पार्थिव शरीर को हैदराबाद वापस लाने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने तेलुगु में लिखा अमेरिका में बदमाशों द्वारा की गई गोलीबारी में एलबी नगर के छात्र पोल चंद्रशेखर की मौत से गहरा सदमा और दुख हुआ है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उनकी आत्मा को शांति मिले और उनके परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। इस बीच, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक टी हरीश राव ने शनिवार को हैदराबाद में पोल के परिजनों से मुलाकात की। घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए, राव ने कहा कि उन्होंने और बीआरएस के अन्य नेताओं ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की और अपनी संवेदना व्यक्त की।

बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव के भतीजे राव ने एक्स पर लिखा यह दुखद है कि एल बी नगर के दलित छात्र चंद्रशेखर पोल, जिन्होंने बीडीएस की पढ़ाई पूरी की थी और उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका (डलास) गए थे, की सुबह बदमाशों द्वारा की गई गोलीबारी में मौत हो गई।

30 साल बाद भारत में कदम रखेगा पाकिस्तान का सबसे बड़ा दुश्मन, दुनिया में मचा हड़कंप!

काबुल। करीब 30 साल बाद भारत में एक ऐसा शख्त कदम रखने वाला है जो कभी तो पाकिस्तान का दोस्त हुआ करता था। लेकिन अब पाकिस्तान को बर्बाद करने की कसम खा चुका है। पाकिस्तान ने पूरी कोशिश की कि ये शख्स भारत न आ पाए। लेकिन भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इस शख्स को हिंदुस्तान बुलाने की ताकत ले आया। पहली बार तालिबान का एक बड़ा नेता भारत में कदम रखेगा और वो भी ऐसे समय जब अमेरिका और पाकिस्तान मिलकर अफगानिस्तान पर हमले का प्लान बना रहे हैं। जिस समय डोनाल्ड ट्रंप आसिम मुनीर और शहबाज शरीफ को अमेरिका बुला रहे हैं। उसी समय आसिम मुनीर शहबाज शरीफ और पाकिस्तान का सबसे बड़ा दुश्मन आमिर खान मुत्ताकी भारत में कदम रख रहा है।

आमिर खान मुत्ताकी अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री है। जो 9 अक्टूबर को भारत आएंगे। भारत आकर मुत्ताकी विदेश मंत्री एस जयशंकर और एनएसए अजित डोभाल से मिलेंगे। तालिबान के सबसे बड़े नेता का एनएसए अजित डोभाल से मिलना पाकिस्तान की कुंडली के लिए अच्छा नहीं है। मुत्ताकी 9 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक भारत में रहेंगे। सोचिए इतने लंबे समय तक भारत में क्या क्या प्लानिंग होगी। अफगानिस्तान के अंतरिम विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की संभावित भारत यात्रा को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि मुत्ताकी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से 9-16 अक्टूबर के बीच दिल्ली आने के लिए इजाजत मिल गई है। हालांकि इस यात्रा के बारे में उन्होंने और कोई जानकारी नहीं दी।

भारत ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है, तो मुत्ताकी को किस तरह का प्रोटेकॉल दिया जाएगा, इस पर उन्होंने कछ नहीं कहा, लेकिन दूसरे सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा कि 'मुत्ताकी अफगानिस्तान के विदेश मंत्री हैं। जायसवाल ने मई में विदेश मंत्री एस जयशंकर और मुत्ताकी के बीच टेलीफोन कॉल का जिक्र करते हुए दोनों देशों के बीच बढ़ते इंगेजमेंट पर रोशनी डाली। बता दें कि मुत्ताकी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद बाहर यात्रा करने को लेकर बैन लगाया है, जिसे भारत यात्रा के लिए हटाया गया है। करीब 30 साल बाद भारत इस तरह से तालिबान के संपर्क में होगा।

मुत्ताकी को अगस्त में ही भारत आना था। लेकिन पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से मुत्ताकी की शिकायत कर दी थी। जिसके बाद आमिर खान मुत्ताकी को अपनी यात्रा टालनी पड़ गई। लेकिन बाद में भारत उसी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से मुत्ताकी को भारत लाने की इजाजत ले आया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)